राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 26 फरवरी 2026 वर्ष-9,अंक-34 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिंदुत्व खतरे में है सिर्फ ड्रेस पहनकर खुद को हिंदू बता रहे

● शंकराचार्य बोले-हिंदुत्व को हिंदुओं के बीच घुसे ऐसे लोगों से है खतरा

वाराणसी (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बच्चों के यौन शोषण मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद प्रयागराज पुलिस पिछले तीन दिनों से वाराणसी में डेरा डाले हुए है। पुलिस उनसे पूछताछ कर सकती है, हालांकि अभी तक आश्रम नहीं पहुंची है। सूत्रों के मुताबिक, प्रयागराज पुलिस फिलहाल शंकराचार्य से जुड़े सबूत जुटाने में लगी है। मामला हाई-प्रोफाइल होने के कारण पुलिस फूंक-फूंककर कदम आगे बढ़ा रही है। माना जा रहा है

कि पूरी तैयारी और होमवर्क के बाद ही पुलिस शंकराचार्य या उनके शिष्यों से पूछताछ करेगी। उधर, बुधवार को शंकराचार्य ने एक बार फिर मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, हिंदुत्व खतरे में है। जब केवल ड्रेस पहनकर लोग खुद को हिंदू बताने लगेंगे और बार-बार हिंदू-हिंदू कहेंगे,तो हिंदू को खतरा होना स्वाभाविक है। हिंदुत्व को बीच में घुस आए ऐसे लोगों से खतरा है।

शंकराचार्य के समर्थन में कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस से धक्का-मुक्की

वाराणसी (एजेंसी)। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान और उत्पीड़न के आरोपों को लेकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पूरे प्रदेश में प्रदर्शन कर रही है। काशी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शंखनाद कर सरकार को चेतावनी दी। पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की करते हुए कार्यकर्ता डीएम पोर्टिको तक पहुंच गए और जमकर नारेबाजी की। आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शंकराचार्य के पोस्टर लहराए, जबकि लखनऊ में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मेरठ, बुलंदशहर, गोरखपुर, ललितपुर सहित पूरे प्रदेश में कांग्रेसियों ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।

मथुरा के बरसाना में लट्ठमार होली की धूम

सखियों ने पुलिसवालों को मारे लट्ठ,ढोल-नगाड़ों पर किया डांस

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के बरसाना में बुधवार को प्रसिद्ध लट्ठमार होली खेली जा रही है। सुबह से ही बरसाने की गलियां भक्तों से सजी-धजी हैं। हर तरफ अबीर-गुलाल दिखाई दे रहा है। गुलाल से रंगे भक्त ढोल-नगाड़ों की धुन पर झूम रहे हैं। डांस कर रहे हैं। होली के गीत गा रहे हैं। इससे पहले सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिसवालों के साथ महिलाओं ने लट्ठमार की। नंदगांव से आने वाले हुरियारों के स्वागत की तैयारियां पहले से थीं। बरसाना पीली पोखर पर स्वागत के लिए 2000 किलो ठंडाई बनाई गई थी। होली देखने और खेलने के लिए 20 लाख श्रद्धालु बरसाना पहुंचे हैं। इनमें विदेशी टूरिस्ट भी शामिल हैं। प्रशासन के मुताबिक, सुरक्षा के लिहाज से 4500 से ज्यादा पुलिसकर्मी और एंटी रोमियो टीम तैनात की गई है। इससे पहले मंगलवार को राधारानी (लाड़लीजी) मंदिर में लड्डूमार होली खेली गई थी। महंतों ने मंदिर की छत पर बनी सफेद छतरी से लड्डू लुटाए थे। बरसाना राधा रानी का जन्मस्थान है। लट्ठमार होली में नंदगांव यानी श्रीकृष्ण का जहां बचपन बीता, वहां के हुरियारे 8 किमी दूर बरसाना में होली खेलने आते हैं। कुंज और रंगीली गलियों से होते हुए करीब 3 किमी तक चलते हैं। गलियों में दोनों तरफ खड़ी हुरियारने लाठियां मारती हैं, इनसे बचने के लिए हुरियारे ढाल का सहारा लेते हैं। ऐसी मनोरम और वर्ल्ड फेमस होली देखने के लिए बड़ी संख्या में टूरिस्ट मथुरा-वृंदावन पहुंचते हैं। नंदगांव से

आए हुरियारे ने बताया- बस पगड़ी बंध जाए, हम होली खेलने के लिए तैयार हैं। ढाल पूरी तैयार है। इसमें हुरियारी लट्ठ मारेंगी। और हम लट्ठ खाने के लिए तैयार हैं। राधा रानी के दर्शन करके रंगीली गली में होली खेलेंगे। मनीष गोस्वीमी नंदबाबा मुख्य पुजारी ने बताया- ये परंपरा ठाकुर जी के समय से चली आ रही है। जो मेरे हाथ में ध्वजा दिख रहा है आपको, ये स्वंय कृष्ण-बलराम का रूप है। नंदबाबा से आशीर्वाद लेकर नंदमहल से निकले। ठाकुर जी का हाथ छुआकर। ऐसे ही रास्ते में चलते चले आए। फिर राधा-रानी के स्मृति पहुंचे पीली पोखर। यहां अब हमारा ठंडाई-पान-भोग हो रहा है। ये तीन पग वाली जो पगड़ी दिख रही है ये बहुत प्राचीन परंपरा है। ठाकुर जी, जो मुकुट धारण करते हैं रास के समय आते हैं तो बिना पाग के नहीं आते। वहीं परंपरा चली आ रही है।

किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम नहीं करने दूंगा

● एनसीईआरटी के नए सिलेबस को लेकर भड़के सीजेआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीईआरटी की नई किताबों में अदालतों में भ्रष्टाचार और लंबित मामलों पर चिंता जताए जाने वाले चैप्टर को शामिल करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। मुख्य न्यायधीश जस्टिस सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान इस कदम पर कड़ी नाराजगी जताई है। सीजेआई ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि वे किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम नहीं करने देंगे। वहीं जस्टिस बागची ने इसे संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर के खिलाफ बताया है। इससे पहले बुधवार को न्यायपालिका पर आधारित पाठ्यपुस्तक के अध्याय पर सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ से कहा कि क्लास 8 के बच्चों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाया जाएगा। यह गंभीर चिंता का विषय है। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा,मुख्य न्यायधीश के तौर पर मैंने अपना काम किया है और संज्ञान लिया है। यह एक सोचा-समझा कदम लगता है। मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा।

● किताब संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर के खिलाफ – वहीं जस्टिस बागची ने कहा कि किताब संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर के खिलाफ लगती है। इससे पहले एनसीईआरटी ने हाल ही में आठवीं कक्षा के लिए नया सिलेबस जारी किया था जिसमें अदालतों में भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को लेकर नया अध्याय जोड़ा गया था। एनसीईआरटी की सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तक में कहा गया है कि भ्रष्टाचार, लंबित मुकदमों की बड़ी संख्या और न्यायाधीशों की पर्याप्त कमी न्यायिक प्रणाली के सामने आने वाली चुनौतियों में शामिल हैं। नई किताब के न्यायपालिका में भ्रष्टाचार नामक खंड में कहा गया है कि जज एक आचार संहिता से बंधे होते हैं जो ना केवल अदालत में उनके व्यवहार को नियंत्रित करती है, बल्कि अदालत के बाहर उनके आचरण को भी नियंत्रित करती है।

भोपाल में हाईप्रोफाइल पार्टियों में बड़ा 'खेला'

● युवतियों की सप्लाई कर 'अमीर' बनी अमरीन और आफरीन

झुग्गियों से निकल आलीशान घर में आईं,अहमदाबाद तक जाल

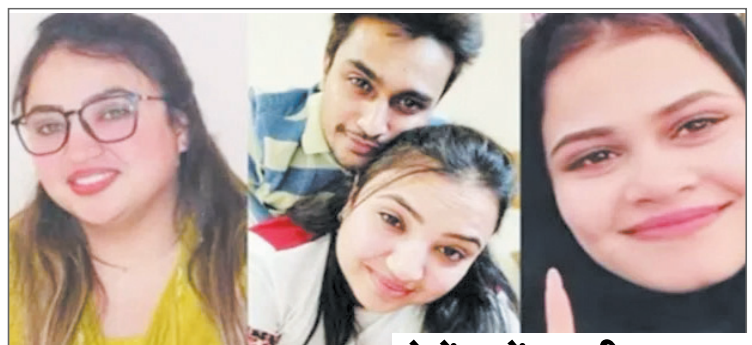

भोपाल (एजेंसी)। धर्मांतरण और रेप के आरोप में गिरफ्तार अमरीन और आफरीन को लेकर कई खुलासे हो रहे हैं। दोनों पहले अब्बास नगर की झुग्गियों में रहती थीं। हाई प्रोफाइल पार्टियों में युवतियों की सप्लाई कर कुछ ही दिनों में दोनों सगी बहनें अमीर बन गईं। इसके बाद आशिमा मॉल के पास स्थित एक आलीशान फ्लैट में रहने लगीं। कथित तौर पर यह दावा किया जा रहा है कि दोनों ने गलत धंधे से ही दौलत कमाए हैं। दोनों बहनें भोपाल में स्पा सेंटर से भी जुड़ी थीं। काम का झांसा देकर भोली-भाली युवतियों को अपने झांसे में लेती थीं। इसके बाद देह व्यापार के दलदल में उन्हें धकेल देती थीं। पुलिस के सामने आईं दो पीड़िताओं ने इनकी करतूतों के बारे में खुलासा किया है। इनके गलत काम में कई लोग साथ थे। आरोपियों में एक बहन का लिव इन पार्टनर चंदन यादव भी है। चंदन यादव ने भी धर्म परिवर्तन कर लिया है लेकिन नाम नहीं बदला है। अभी वह जेल में बंद है।

दोनों बहनें लग्जरी लाइफ जीती थीं

आरोपी अमरीन और आफरीन पहले अब्बास नगर स्थित झुग्गी में रहती थीं। गलत धंधे से दोनों बहनों ने कमाई की। इसके बाद आशिमा मॉल के पास सागर रॉयल विला में आलीशान घर ले लिया। इसके बाद बीते सात साल से यही रह रही थीं। आसपास के लोगों का कहना है कि दोनों बहनें लग्जरी लाइफ जीती थीं। वहीं, मीडिया से बातचीत के दौरान पड़ोसियों ने कहा है कि इनके घर कापी हलचल रहती थी। महिलाएं यहां बुर्के में आती थीं। घर के बाहर लड़कों की लाइन लगी रहती थी। दोनों की लाइफस्टाइल ऐसी थी कि मजबूर महिलाएं इनसे आकर्षित होती थीं। गौरतलब है कि भोपाल पुलिस इस केस में तमाम कड़ियों को जोड़ रही है। इसके बाद आगे की जांच कर रही है। पुलिस को उम्मीद है कि इनके डिजिटल डिवाइस से कई खुलासे होंगे। साथ ही यह भी पता लगा रही है कि इनके नेटवर्क में और कौन-कौन लोग हैं।

युवतियों को पहले कराती थी नशा,फिर रेप

पीड़िताओं ने खुलासा किया था कि पहले काम के नाम पर रखी थीं। इसके बाद छोटे कपड़ों में अन्य जगहों पर ले जा जाती थी। अब पूछताछ में यह बात सामने आई है कि दोनों बहनें पीड़िताओं को क्लब और पब में ले जाती थीं। वहां उन्हें ड्रग देती थी। इसके बाद उनके साथ रेप होता था। विरोध करने पर ब्लैकमेलिंग की जाती थी। वहीं, दोनों बहनों के फोन से युवतियों की तस्वीर और चैट मिले हैं। कथित तौर पर यह दावा किया जा रहा है कि इन तस्वीरों को पार्टी के आयोजकों को भेजते थे।

सीएम योगी के जापान दौरे में मिले मेगा निवेश प्रस्ताव

● पहले दिन 11 हजार करोड़ रुपये का एमओयू हुआ साइन ● कुबोता व मिंडा सहित कई जापानी कंपनियों ने किए करार

नई दिल्ली/लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के पहले दिन औद्योगिक निवेश को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। विभिन्न जापानी कंपनियों के साथ लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। जिन कंपनियों के साथ करार हुआ है उनमें कुबोता कारपोरेशन, मिंडा कारपोरेशन, जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री, नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, सीको एडवांस, ओएंडओ ग्रुप, फूजी जैपनीज जेवी और फूजीसिल्वरटेक कंक्रीट प्रा. लि. शामिल हैं। ये समझौते कृषि यंत्र निर्माण, औद्योगिक मशीनरी निर्माण, जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक प्रिंटिंग एवं ग्राफिक्स, हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट

जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े हैं। इससे विनिर्माण क्षमता के विस्तार और औद्योगिक सहयोग को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। कुबोता कारपोरेशन, वर्ष 1890 में स्थापित जापान की एक अग्रणी बहुराष्ट्रीय कंपनी है और जिसका मुख्यालय ओसाका में स्थित है। यह कृषि और औद्योगिक मशीनरी निर्माण में वैश्विक पहचान रखती है। कंपनी ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, इंजन और निर्माण उपकरण के साथ साथ जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान जैसे पाइप, पंप और ट्रीटमेंट सिस्टम के क्षेत्र में भी कार्यरत है।

● एडवांस कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगा बढ़ावा

नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, एक विविधीकृत जापानी ट्रेडिंग और टेक्नोलॉजी कंपनी है जो केमिकल्स, एडवांस्ड मैटेरियल्स, मोबिलिटी सॉल्यूशंस और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में सक्रिय है। इन कंपनियों के बीच सहयोग से ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। सीको एडवांस जापान मूल की कंपनी है जो उच्च प्रदर्शन स्क्रीन प्रिंटिंग इंक और कोटिंग सॉल्यूशंस के लिए जानी जाती है। इसके उत्पाद ऑटोमोटिव डीकल्स, इंडस्ट्रियल ग्राफिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स पैनल, ग्लास प्रिंटिंग और कंज्यूमर अप्लायंसेज में उपयोग होते हैं। कंपनी भारत में अपनी विनिर्माण इकाई के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों को आपूर्ति कर रही है।

अरुणाचल की महिलाओं पर नस्लीय कमेंट पड़ गया भारी

● पति-पत्नी दोनों हुए गिरफ्तार, आरोपी हर्ष ने कहा-मैं शर्मिंदा हूं ● केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बड़ा बयान-सख्त कार्रवाई करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश की 3 महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपी रूबी जैन और हर्ष सिंह को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को एससी एसटी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले मंगलवार को मुख्य आरोपी और महिला के पति हर्ष सिंह ने न्यूज एजेंसी से कहा कि हम निश्चित रूप से शर्मिंदा हैं। मैं ऐसा इंसान नहीं हूं, ये सब कुछ हीट ऑफ द मूमेंट में हो गया। हर्ष ने कहा कि मामले में हम दिल्ली पुलिस का पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उनका ऑफिस पहले दिन से ही पीड़ितों और दिल्ली पुलिस के लगातार संपर्क में है। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। रिजिजू ने कहा कि मामले में गिरफ्तारियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में नॉर्थ ईस्ट के लोगों के खिलाफ किसी भी तरह के दुर्व्यवहार को अधिकारी गंभीरता से लेते हैं। अगर दिल्ली में नॉर्थ ईस्ट के किसी भी व्यक्ति के साथ कोई घटना होती है, तो हम तुरंत कार्रवाई करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं खुद फॉलो-अप कर रहा हूं।

अमेरिकी संसद में ट्रम्प बोले-

भारत-पाकिस्तान जंग रुकवाई

● गाजा सीजफायर को बताया बड़ी जीत,वेनेजुएला बना नया दोस्त ● ईरान ने 32000 लोग मारे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय समय के मुताबिक बुधवार सुबह संसद में भाषण दिया। साल की शुरुआत में संसद में प्रेसीडेंट के भाषण को 'स्टेट ऑफ द यूनियन' स्पीच कहा जाता

है। ट्रम्प ने 1 घंटा 50 मिनट के भाषण में एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। ट्रम्प यह बात 100 से ज्यादा बार दोहरा चुके हैं। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के हवाले से कहा कि दोनों देशों के बीच परमाणु जंग में 3.5 करोड़ लोगों के मारे जाने की आशंका थी। हालांकि, भारत इस दावे को हमेशा खारिज करता आया है। अपने भाषण में ट्रम्प ने इजराइल-हमास के बीच गाजा सीजफायर को अपनी उपलब्धि कहा। वहीं वेनेजुएला पर कब्जे के करीब डेढ़ महीने बाद वहां तेल उत्पादन में बढ़ोतरी का दावा करते हुए उसे अमेरिका का नया दोस्त करार दिया। ट्रम्प ने ईरान को लेकर दावा किया कि अमेरिका ने पिछले साल जुलाई में हमला कर उसका न्यूक्लियर प्रोग्राम खत्म कर दिया था। साथ ही 28 दिसंबर से 14 जनवरी के बीच महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 32 हजार प्रदर्शनकारियों को मारने का आरोप भी लगाया। **ईरान को चेतावनी-** ट्रम्प ने बताया कि ईरान अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल बना सकता है। उन्होंने कहा ईरान ने पहले ही ऐसी मिसाइल बना ली हैं जो यूरोप और हमारे विदेशों में मौजूद ठिकानों के लिए खतरा हैं। ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के न्यूक्लियर हथियार प्रोग्राम को खत्म कर दिया।

महंगाई और ऑयल प्रोडक्शन पर रखी बात

ट्रम्प ने कहा कि महंगाई के लिए डेमोक्रेट्स जिम्मेदार हैं और उनकी नीतियों से कीमतें तेजी से नीचे आ रही हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका में तेल का प्रोडक्शन रोज करीब 6 लाख बैरल से ज्यादा बढ़ा है। ट्रम्प ने सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और नए 15 फीसदी वैश्विक टैरिफ लागू करने की बात कही।

चार राज्यों के 5407 गांवों के लिए सरकार की सौगात

● मोदी कैबिनेट ने 9072 करोड़ के रेल प्रोजेक्ट किए मंजूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रधानमंत्री के नए कार्यालय सेवा तीर्थ में हुई बैठक में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने रेल मंत्रालय की अनुमानित 9072 करोड़ रुपये की इन तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें गोंदिया-जबलपुर दोहरीकरण, पुनारख-किउल तीसरी और चौथी लाइन तथा गम्हरिया-चांडिल तीसरी तथा चौथी लाइन शामिल है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड के आठ जिलों से गुजरने वाली इन परियोजनाओं पर काम पूरा होने के बाद देश में रेलवे का मौजूदा नेटवर्क 307 किलोमीटर बढ़ जाएगा। सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद बताया कि इन प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से 98 लाख की आबादी वाले लगभग 5,407 गांवों के रेल संपर्क में सुधार होगा। बढ़ी हुई लाइन क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिसके कारण रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में और सुधार आएगा। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने में सहायक होंगे। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री मोदी के नये भारत के विजन के अनुरूप हैं, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से काम होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पैक्स सिलिका में भारत का होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

भारत न टकराव की राह पर है, न निष्क्रियता कीय वह सक्रिय संतुलन की नीति अपना रहा है। यह संतुलन ही भविष्य की शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था का आधार बन सकता है। पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत और उसके सहयोगी एक ऐसी नई दिशा दे सकते हैं जहाँ तकनीकी नवाचार का लाभ वैश्विक दक्षिण तक पहुँचे, आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शी हो और वैश्विक शक्ति-संतुलन स्थिर रहे। निस्संदेह, यह समय भारत के लिए ऐतिहासिक है। एआई और सेमीकंडक्टर के इस युग में भारत का यह कदम उसकी आर्थिक और तकनीकी शक्ति को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा।

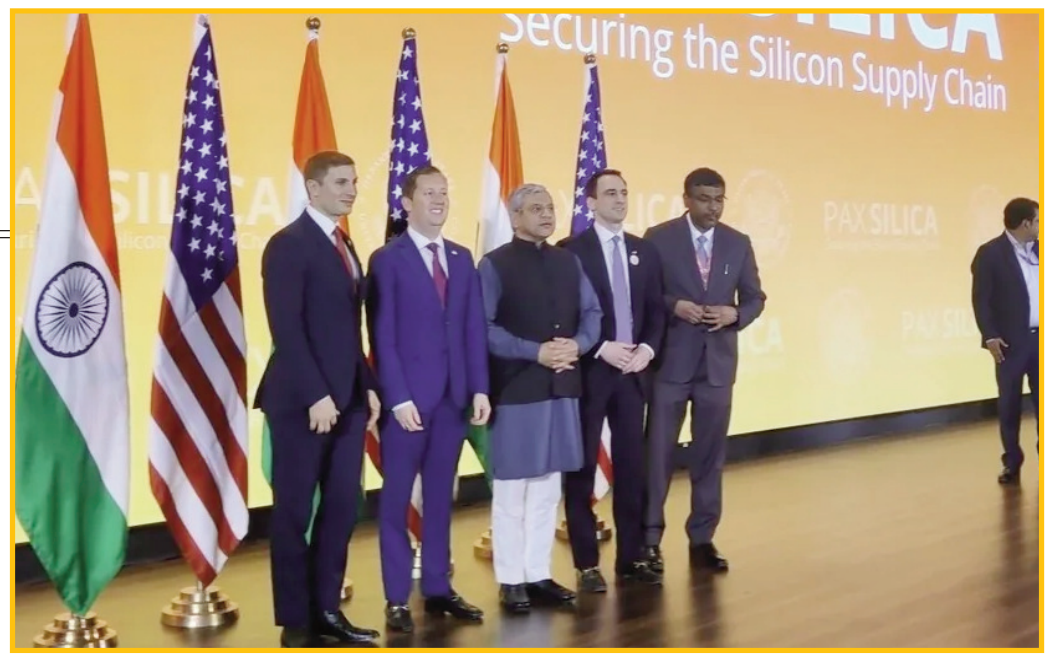

(लेखक - ललित गर्ग)

इक्कीसवीं सदी का यह दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और तकनीकी आपूर्ति शृंकखलाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर बन चुका है। ऐसे समय में भारत द्वारा एआई शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन और उसके तुरंत बाद अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह पैक्स सिलिका से औपचारिक रूप से जुड़ना केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी और रणनीतिक कदम है। यह उस नए भारत की घोषणा है जो तकनीकी शक्ति, नैतिक दृष्टि और वैश्विक संतुलन-तीनों को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य अर्जित कर रहा है। एआई समिट के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह अब केवल तकनीक का उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि निर्माता और मार्गदर्शक की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। दुनिया की तीसरी बड़ी एआई शक्ति बनने की दिशा में यह एक ठोस चरणन्यास है।

दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, विशाल युवा प्रतिभा और उभरता हुआ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम इस गठबंधन को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह पहल किसी के विरुद्ध आक्रामकता नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में संतुलन और विविधता स्थापित करने का प्रयास है। जब शक्ति का केंद्रीकरण टूटता है और साझेदारी का विस्तार होता है, तभी विश्व व्यवस्था स्थिर और संतुलित बनती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने तकनीक को शासन और विकास के केंद्र में स्थापित किया है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों ने एक मजबूत आधार तैयार किया है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। आधार, यूपीआई और डिजिटल सेवाओं ने करोड़ों लोगों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा है। इसी आधार पर एआई और चिप निर्माण के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सक्रियता और वैश्विक मंचों पर भारत की प्रभावी उपस्थिति ने देश को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित किया है। उनका दृष्टिकोण केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी आत्मनिर्भरता को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने का है।

भारत में चिप डिजाइन, निर्माण और एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बड़े निवेश आकर्षित किए जा रहे हैं। वैश्विक कंपनियाँ भारत को स्थिर लोकतंत्र, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक नीति स्थिरता वाले देश के रूप में देख रही हैं। पैक्स सिलिका जैसे अंतरराष्ट्रीय ढांचे का हिस्सा बनने से भारत को तकनीकी सहयोग, संयुक्त अनुसंधान, पूंजी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण में व्यापक लाभ मिलेगा। इससे न केवल चीन पर निर्भरता कम होगी, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता भी सुदृढ़ होगी। यह भागीदारी भारत को अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय देशों जैसी प्रमुख तकनीकी शक्तियों के साथ और अधिक निकटता से जोड़ेगी, जिससे वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ेगी। भारत की विशेषता केवल तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि भी है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना से प्रेरित भारत एआई को मानव-केंद्रित विकास का माध्यम बनाना चाहता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग से व्यापक जनकल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है। यदि तकनीक कुछ शक्तियों के हाथों में सिमट जाए तो असंतुलन बढ़ता है, किंतु जब लोकतांत्रिक और समावेशी राष्ट्र इसका नेतृत्व करते हैं तो यह वैश्विक कल्याण का साधन बन सकती है। भारत का प्रयास है कि एआई के नैतिक मानदंड सार्वभौमिक हों और तकनीक का उपयोग हथियार के रूप में नहीं, बल्कि मानव प्रगति के साधन के रूप में हो।

भारत की दृष्टि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी प्रगति का उपकरण नहीं, बल्कि मानवीय चेतना के विस्तार का माध्यम है। जिस देश ने विश्व को 卐वसुधैव कुटुम्बकम्卐 का मंत्र दिया, जिसने करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की परंपरा को जीवन-मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया, वह एआई को भी केवल बाज़ार और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि मानव कल्याण और वैश्विक संतुलन के संदर्भ में देखता है। भारत की सभ्यता-चेतना, जो महात्मा गांधी की अहिंसा और गौतम बुद्ध की करुणा से अनुप्राणित है, तकनीकी विकास को नैतिक अनुशासन से जोड़ने की प्रेरणा देती है। यहाँ विकास का अर्थ केवल गति नहीं, बल्कि दिशा भी है; केवल क्षमता नहीं, बल्कि संवेदना भी है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जीवन की समग्रता-प्रकृति, समाज और मानव गरिमा के साथ जोड़ा जाए, तो भारत विश्व संरचना में ऐसा संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकता है जो तकनीक को विनाश का कारण बनने से रोककर उसे सृजन, समावेशन और मानव उत्कर्ष का सशक्त साधन बना दे।

आज दुनिया दो ध्रुवों के बीच खड़ी दिखाई देती है-एक ओर केंद्रीकृत तकनीकी वर्चस्व, दूसरी ओर साझेदारी और संतुलन का मॉडल। भारत का उभार इस द्वंद्व को संतुलन में बदलने की क्षमता रखता है। भारत न टकराव की राह पर है, न निष्क्रियता कीय वह सक्रिय संतुलन की नीति अपना रहा है। यह संतुलन ही भविष्य की शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था का आधार बन सकता है। पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत और उसके सहयोगी एक ऐसी नई दिशा दे सकते हैं जहाँ तकनीकी नवाचार का लाभ वैश्विक दक्षिण तक पहुँचे, आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शी हो और वैश्विक शक्ति-संतुलन स्थिर रहे। निस्संदेह, यह समय भारत के लिए ऐतिहासिक है। एआई और सेमीकंडक्टर के इस युग में भारत का यह कदम उसकी आर्थिक और तकनीकी शक्ति को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उभरती यह तकनीकी और एआई क्रांति न केवल भारत को सशक्त बना रही है, बल्कि विश्व को भी संतुलन और सहयोग की नई राह दिखा रही है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी नई सृष्टि का आधार बन सकती है-एक ऐसी सृष्टि जहाँ तकनीक प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि समन्वय और शांति का माध्यम बने। भारत इस दिशा में दृढ़ता से अग्रसर है और विश्व नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए स्वयं को सक्षम बना रहा है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

आतंक पर प्रहार

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इंटरनेट के दौर में लगातार घातक और ग्लोबल होते आतंकवाद से निपटना देश-दुनिया की बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। आधुनिक तकनीक और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क के चलते दुनिया का कोई कोना आज आतंकवाद से अछूता नहीं है। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि आतंकवाद से मुकाबला करने वाला हमारा तंत्र तकनीक और संसाधनों के दृष्टिकोण से उन्नत नहीं है, जिसके चलते अपराधी पुलिस व सुरक्षा बलों पर इक्कीस पड़ते हैं। संगठित अपराधी गिरोह हवाला और अन्य स्रोतों से वित्तीय संसाधन जुटाकर सरकारों को चुनौती देने लगे हैं। इस संकट के आलोक में भारत सरकार ने आतंकवाद पर कड़ा प्रहार करने की रणनीति को अंतिम रूप दिया है। भारत सरकार ने अब आतंकवाद के खिलाफ जंग में नई राष्ट्रीय नीति और रणनीति 'प्रहार' को सिरे चढ़ाने की घोषणा की है। 'प्रहार' अर्थात ्'प्रिवेंशन, रिस्पांस एंड हेल्थिंग अप्रोच टू एंटी-टेररिज्म।' गृह मंत्रालय द्वारा तैयार इस आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति में पहली बार डिजिटल खतरों को आतंकवाद की श्रेणी में रखा गया है। हाल ही के दिनों में देश के भोले-भाले नागरिकों को जिस तरह हाउस अरेस्ट करके सरेआम लूटा गया, उससे देश के सभ्य समाज में भय व्याप्त है। लोगों की जीवनभर की जमापूंजी और सेवानिवृत्ति लोगों के पूरे सेवाकाल की बचत पर जिस तरह ऑनलाइन डाका डाला जा रहा है, उसे देखते हुए डिजिटल खतरों को आतंकवाद की श्रेणी में रखना वक्त की जरूरत है। साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि डिजिटल अपराधों से आतंक फैलाने वालों को आतंकवादियों जैसी सजा देने का प्रावधान हो। हाल ही के दिनों में देश में साइबर हमले और आपराधिक हैकिंग के मामले भी खासे बढ़े हैं। यह स्वागतयोग्य है कि नई आतंकवाद विरोधी नीति में दुनिया के काले कारोबार की कुख्यात धारा डार्क वेब, क्रिप्टो मायाजाल आदि उन्नत तकनीकों द्वारा अपराध जगत को सींचने वाले वित्तपोषक तंत्र से निपटना भी नई आतंकवाद विरोधी नीति का लक्ष्य होगा, जो आज देश में आतंकवाद पोषण का जरिया बन रहा है। निस्संदेह, हाल ही के दिनों में सीमा पार से जारी ड्रोन हमले और साइबर आतंकवाद देश की सुरक्षा के लिए चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे में नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए आतंकवादी हमलों पर अंकुश लगाना बेहद जरूरी है। यदि खतरे को समय रहते भांपते हुए तत्काल प्रतिक्रिया दी जा सके तो नागरिकों के हित सुरक्षित रह सकते हैं। इसके लिये जरूरी है कि नागरिक सुरक्षा में लगी पुलिस, सुरक्षा बलों तथा अन्य आंतरिक क्षमताओं को एकीकृत किया जाए। साथ ही वैश्विक स्तर पर भारत की संप्रभुता को चुनौती देने वाले संगठनों पर नकेल कसने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों में समन्वय की जरूरत है। आतंकवाद के खिलाफ जारी इस रणनीति में आतंकी हमलों की रोकथाम के लिए इंटेलिजेंस सूचनाओं की गुणवत्ता बढ़ाने, सुरक्षा बलों को उन्नत हथियार उपलब्ध कराने, नई तकनीक से लैस करने, पुलिस, एनएसजी व केंद्रीय सुरक्षा बलों में समन्वय से तत्काल प्रतिक्रिया देने, सुरक्षा एजेंसियों के आधुनिकीकरण व प्रशिक्षण से आतंक पर प्रहार की क्षमता को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि पहली बार भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को भी आतंकवाद रोधी कानूनी ढांचे में शामिल किया गया है। इसके अलावा समाज में कट्टरपंथ को रोकने के लिए किए जाने वाले प्रयासों का जिक्र आतंकवाद विरोधी नीति में शामिल है, जिसमें सामुदायिक नेताओं, धर्मगुरु व स्वयंसेवी संगठनों की मदद भी ली जाएगी। निस्संदेह, समय के साथ बढ़ती आतंकवाद की चुनौती के मुकाबले में नागरिकों की सजगता व सतर्कता एक बड़ी भूमिका हो सकती है।

केरल' से 'केरलम': पहचान की पुनर्स्थापना या राजनीतिक रणनीति?

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

- नाम परिवर्तन के फैसले के लाभ-हानि, चुनावी असर और भाजपा के संभावित फायदे की पड़ताल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, राजनीतिक और संवैधानिक बहस का विषय बन गया है। यह फैसला उस प्रस्ताव की अगली कड़ी है जिसे राज्य विधानसभा पहले ही पारित कर चुकी थी। अब प्रश्न यह है कि इस नाम परिवर्तन से राज्य को वास्तविक लाभ क्या होंगे, संभावित हानियां क्या हो सकती हैं, इसका चुनावी राजनीति पर क्या असर पड़ेगा और क्या इससे भारतीय जनता पार्टी को कोई राजनीतिक फायदा मिल सकता है।

सबसे पहले लाभ की बात करें तो समर्थकों का तर्क है कि 'केरलम' नाम राज्य की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान के अधिक अनुरूप है। मलयालम भाषा में राज्य को 'केरलम' कहा जाता है, इसलिए यह परिवर्तन स्थानीय अस्मिता और आत्मसम्मान को मजबूती देता है। भारत में पहले भी कई राज्यों ने अपनी ऐतिहासिक या भाषाई पहचान के अनुरूप नाम बदले हैं—जैसे ओडिशा (पूर्व नाम उड़ीसा) और उत्तराखंड (पूर्व नाम उत्तरांचल)। इन उदाहरणों से यह तर्क दिया जाता है कि नाम परिवर्तन कोई असामान्य कदम नहीं, बल्कि समय के साथ पहचान के परिष्कार की प्रक्रिया है।

दूसरा संभावित लाभ सांस्कृतिक ब्रांडिंग का है। 'केरलम' नाम पर्यटन, आयुर्वेद, बैकवाटर्स और पारंपरिक कला रूपों की वैश्विक पहचान को स्थानीय भाषा से जोड़ सकता है। जब कोई राज्य अपनी मूल सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को आधिकारिक रूप देता है तो वह अपने नागरिकों में गौरव की भावना उत्पन्न करता है। इससे प्रवासी समुदाय, विशेषकर खाड़ी देशों में काम कर रहे लाखों मलयाली लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव भी मजबूत हो सकता है। यह मनोवैज्ञानिक लाभ सीधे आर्थिक लाभ में बदले या न बदले, लेकिन सामाजिक आत्मविश्वास को बढ़ाने में भूमिका निभा सकता है।

हालांकि, इसके साथ कुछ व्यावहारिक चुनौतियां और संभावित हानियां भी जुड़ी हैं। नाम बदलने की प्रक्रिया में प्रशासनिक दस्तावेजों, शैक्षणिक प्रमाणपत्रों, सरकारी वेबसाइटों, कानूनी अभिलेखों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय समझौतों में संशोधन की आवश्यकता होगी। यह प्रक्रिया समय और संसाधन दोनों लेती है। आलोचकों का कहना है कि जब राज्य बेरोजगारी, बाढ़ प्रबंधन, कर्ज बोझ और बुनियादी ढांचे जैसी चुनौतियों से जूझ रहा हो, तब नाम परिवर्तन प्राथमिकता नहीं होना चाहिए। उनका तर्क है कि इससे प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ सीमित हैं, जबकि प्रशासनिक लागत वास्तविक है।

चुनावी असर के संदर्भ में यह निर्णय दिलचस्प है। केरल में लंबे समय से वामपंथी दलों और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन का वर्चस्व रहा है। भाजपा यहां अब तक सीमित प्रभाव ही बना पाई है। ऐसे में यदि नाम परिवर्तन का निर्णय केंद्र सरकार की मंजूरी से आगे बढ़ता है, तो भाजपा इसे 卐संस्कृति के सम्मान卐 और 卐संविधान सम्मत प्रक्रिया卐 के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। यह संदेश देने की कोशिश हो सकती है कि केंद्र क्षेत्रीय पहचान के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके साथ है। इससे भाजपा को यह नैरेटिव गढ़ने का अवसर मिल सकता है कि वह केवल हिंदी पट्टी की पार्टी नहीं, बल्कि दक्षिण भारत की आकांक्षाओं को भी समझती है।

लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि केरल की राजनीति अत्यंत जागरूक और वैचारिक रूप से परिपक्व मानी जाती है। यहां मतदाता केवल प्रतीकात्मक मुद्दों पर वोट नहीं देते, बल्कि सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य और धर्मनिरपेक्षता जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं। इसलिए केवल नाम परिवर्तन से चुनावी समीकरणों में बड़ा बदलाव आ जाए, यह मान लेना जल्दबाजी होगी। हां, यह भाजपा के लिए एक संवाद का द्वार खोल सकता है, जिससे वह राज्य की सांस्कृतिक भावनाओं के प्रति संवेदनशील दिखे।

भाजपा के संभावित फायदे पर यदि विस्तार से विचार करें तो यह निर्णय उसे दक्षिण भारत में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने का अवसर दे सकता है। पार्टी यह तर्क रख सकती है कि उसने राज्य विधानसभा की इच्छा का सम्मान किया और संवैधानिक प्रक्रिया के तहत कदम उठाया। इससे वह उन मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश कर सकती है जो क्षेत्रीय पहचान और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन चाहते हैं। साथ ही, यह विपक्ष के उस आरोप को भी कमजोर कर सकता है कि केंद्र सरकार राज्यों की स्वायत्तता की अनदेखी करती है।

दूसरी ओर, विपक्ष इसे 卐प्रतीकात्मक राजनीति卐 बताकर जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगा सकता है। यदि राज्य में आर्थिक या सामाजिक समस्याएं बनी रहती हैं, तो नाम परिवर्तन का मुद्दा जल्दी ही पृष्ठभूमि में चला जाएगा। इसलिए चुनावी लाभ तभी संभव है जब इसे व्यापक विकास और सुशासन के एजेंडे के साथ जोड़ा जाए।

एक और महत्वपूर्ण पहलू राष्ट्रीय स्तर का है। यदि संसद में यह विधेयक पारित होता है, तो यह संदेश जाएगा कि भारत की संघीय संरचना में राज्यों की सांस्कृतिक पहचान को मान्यता देने की परंपरा जारी है। इससे अन्य राज्यों में भी समान मांगें तेज हो सकती हैं, जैसा कि पश्चिम बंगाल द्वारा 'बांग्ला' नाम के प्रस्ताव के मामले में देखा गया था। हालांकि हर प्रस्ताव का मूल्यांकन अलग राजनीतिक और कूटनीतिक संदर्भ में होगा। अंततः यह कहा जा सकता है कि 'केरल' से 'केरलम' का नाम परिवर्तन भावनात्मक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसके आर्थिक और प्रशासनिक प्रभाव सीमित और मिश्रित रहेंगे। चुनावी राजनीति में इसका असर परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।यदि इसे क्षेत्रीय सम्मान और विकास के व्यापक विमर्श से जोड़ा गया तो भाजपा को सीमित लेकिन प्रतीकात्मक लाभ मिल सकता है; यदि यह केवल नाम तक सीमित रहा तो इसका प्रभाव भी प्रतीकात्मक ही रहेगा। लोकतंत्र में नाम केवल पहचान का माध्यम है, असली कसौटी नीतियों और उनके परिणामों से तय होती है।

(रु 103 जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नीयर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार स्तम्भकार)

चिंतन मनन

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थ्य भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है। उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है। ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है। प्रकृति के संदेश-संकेतों को जब सृष्टि के सभी जीवधारी मोटी बुद्धि होने पर भी समझ लेते हैं तो कोई कारण नहीं कि मनुष्य जैसा बुद्धिजीवी उन्हें न अपना सके।

प्रकृति के स्वास्थ्य रक्षा के नियमों के लिए गुरुगम्य ज्ञान की आवश्यकता नहीं। वे सहज समझे और निबाहे जा सकते हैं। उचित-अनुचित का निर्णय करने वाले यंत्र इसी शरीर में लगे हैं, जो तत्काल बात देते हैं कि क्या करना चाहिए, क्या नहीं। आहार-विहार का ध्यान रखने से स्वास्थ्य रक्षा की समस्या हल हो जाती है। आहार प्रमुख पक्ष है, जिसे स्वास्थ्य अनुशासन का पूर्वार्ध कहा जा कसता है। उत्तरार्ध में विहार आता है, जिसका तात्पर्य है नित्य कर्म, शौच, स्नान, शयन, परिश्रम, संतोष आदि। शरीर रूपी मन्दिर को मनमानी बुरी आदतों के कारण रुग्ण बनाना प्रकृति की दृष्टि में बड़ा अपराध है। उसके फलस्वरूप पीड़ा बेचैनी, अशक्ति, अल्पायु, आर्थिक हानि और तिरस्कार जैसे दंड भोगने पड़ते हैं।

विचार मंथन

पादरी लोरन भड़के क्या सुधरेंगे राष्ट्रपति ट्रंप

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य के शार्लोट स्थित सेंट्रल चर्च के वरिष्ठ पादरी लोरन लिविंगस्टन ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भाषा और उनके सार्वजनिक आचरण को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। हालिया धर्मोपदेश में उन्होंने कहा, देश के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति को संयमित, शालीन और मर्यादित भाषा का प्रयोग करना चाहिए। उनका कहना था, नेतृत्व केवल नीतियों और निर्णयों से नहीं होता है। बल्कि स्वयं के चरित्र, व्यवहार और वाणी से व्यक्ति की पहचान होती है। हर सफल व्यक्ति के पीछे उसका चरित्र, व्यवहार और उसकी कही हुई बातें ही महत्व रखती हैं। अमेरिका में अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर राजनीति के साथ-साथ धार्मिक क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर विरोध होने लगा है। पादरी लिविंगस्टन ने कहा, कि सार्वजनिक जीवन में अपमानजनक और अशोभनीय शब्दों का प्रयोग पूरे समाज को गलत संदेश देता है। उन्होंने पवित्र बाइबिल का हवाला देते हुए कहा, हृदय की प्रचुरता एवं संवेदनशीलता से ही मुख से बातें निकलती हैं। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीख देते हुए समझाया, व्यक्ति की भाषा ही उसके भीतर के विचारों और चारित्रिक मूल्यों को दर्शाती है। यदि नेता की वाणी कटु और अपमानजनक है, तो यह उसके आंतरिक दृष्टिकोण को प्रकट करती है। उन्होंने स्पष्ट किया, राजनीतिक विचारधारा और ईसाई आस्था को एक-दूसरे के समान नहीं माना जा सकता है। डोनाल्ड ट्रंप अपने आप को 'रूढ़िवादी', 'जीवन समर्थक' या 'बाइबिल आधारित परिवार का समर्थक' बताना उन्हें सच्चा ईसाई नहीं बनाता है। उन्होंने नस्लीय आधार पर धर्म को विभाजित करने की प्रवृत्ति पर भी भारी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा, मसीही समुदाय में श्वेत ओर अश्वेत जैसी अलग पहचान नहीं है। बिना किसी भेदभाव के जो व्यक्ति ईसा मसीह पर विश्वास करता है, यह विश्वास ही उन्हें सच्चा मसीही बनाता है। सभी में मसीह हैं और मसीह एक ही है। उनके इस बयान के बाद अमेरिका में राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर बहस तेज हो गई है। पादरी के इस बयान की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया अमेरिका में हो रही है। पादरी के इस बयान के बाद अमेरिका में ट्रंप के खिलाफ संसद से लेकर सड़क तक एक नाराजगी देखने को मिल रही है। अमेरिका के नागरिक और धर्म समर्थकों के बीच इसकी बड़ी तीव्र प्रक्रिया हुई है। अमेरिका के नागरिक पादरी के बयान को नैतिक मूल्यों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण नसीहत मान रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जिस तरह से विभिन्न राज्यों के नागरिकों के साथ अलग व्यवहार कर रहे हैं, अमेरिकी समाज को उन्होंने कई हिस्सों में बांट दिया है। मानों सब एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हुए हैं। यह अमेरिका की संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था के कहीं से भी अनुकूल नहीं है। ईसाई धर्म में जिस तरह की वैमनस्यता आपस में फैलाई जा रही है। उसका अमेरिका जैसे स्वतंत्र और लोकतांत्रिक देश में कोई स्थान नहीं है। लोग महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं। उनके पास रहने को अपना घर नहीं, खाने को भोजन नहीं है। अमेरिका की आधी से ज्यादा आबादी अपना जीवन-यापन नहीं कर पा रही है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़बोलापन, लगातार बढ़ते टैक्स, शासकीय और प्रशासकीय प्रताड़ना अब अमेरिका के लोगों को बर्दाश्त नहीं हो रही हैं। जिस तरह की अभद्र भाषा का उपयोग ट्रंप करते हैं, बात-बात में जिस तरीके की धमकियां देते हैं, उसको लेकर आज अमेरिका ऐसी स्थिति में खड़ा हो गया है। जहां से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं दिख रहा है। ऐसी स्थिति में पादरी का यह कहना, राष्ट्रपति का व्यवहार आम नागरिकों के साथ कैसा हो, यह समय की मांग है। डोनाल्ड ट्रंप यदि पादरी की नसीहत को नहीं समझ पाए, ऐसी स्थिति में उन्हें अपने पद पर बने रहना मुश्किल हो सकता है। क्रिया की प्रतिक्रिया होती है। पादरी के बयान की ट्रंप समर्थक आलोचना कर ट्रंप का बचाव करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप समर्थक और आलोचक इसे एक राजनीतिक टिप्पणी मान रहे हैं। किंतु पादरी ने जिस मुखरता और नाराजगी के साथ धर्म का पक्ष रखते हुए ट्रंप को नसीहत दी है, उसकी प्रतिक्रिया अमेरिका के राजनेताओं एवं आम जनता के बीच देखने को मिल रही है। जब बड़े-बड़े धर्मगुरु ही सत्ता के विरोध में खड़े हो जाएं, ऐसी स्थिति में सत्ता को बचाए रखना आसान नहीं होता है।

इस्पात उद्योग के दिग्गज जतिंदर मेहरा का निधन, उद्योग जगत शोक में डूबा

मुंबई। इस्पात उद्योग के दिग्गज जतिंदर मेहरा का निधन होने के साथ भारत के धातु और खनन क्षेत्र के एक युग का अंत हुआ। छह दशकों से अधिक के अपने करियर में, मेहरा अपने तकनीकी ज्ञान, रणनीतिक सोच और महत्वाकांक्षी विचारों को सफल बड़े पैमाने की परियोजनाओं में बदलने की क्षमता के लिए व्यापक रूप से सम्मानित थे। मेहरा ने एस्सार समूह में धातु एवं खनन प्रभाग के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जहां उन्होंने समूह के इस्पात और धातु व्यवसायों के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शोक संदेश में, एस्सार परिवार ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उन्हें एक दूरदर्शी लीडर के रूप में याद किया। कंपनी ने कहा, भारत के इस्पात उद्योग के सम्मानित दिग्गज और इसरह के लीडर, जिनकी दूरदृष्टि ने एस्सार समूह की कुछ सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों की नींव रखी, उनके निधन से एस्सार परिवार को गहरा दुख हुआ है। उन्होंने ओडिशा में पारादीप इस्पात संयंत्र जैसी बड़ी एकीकृत परियोजनाओं के विकास का भी नेतृत्व किया, जिससे वैश्विक इस्पात बाजार में एस्सार की उपस्थिति मजबूत हुई। एस्सार में शामिल होने से पहले, मेहरा ने भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात उद्योग में कई वरिष्ठ पदों पर कार्य किया। उन्होंने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड में कार्यकारी निदेशक और बाद में राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य किया। आरआईएनएल में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र के चालू होने का नेतृत्व किया, जो देश के इस्पात क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर परियोजना थी। उद्योग में उनके आजीवन योगदान को मान्यता देते हुए, भारतीय इस्पात संघ ने उन्हें 2022 में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया।

2025 में मेकमाईट्रिप कॉरपोरेट यात्रा की कुल बुकिंग एक अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली। यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी मेकमाईट्रिप की कॉरपोरेट यात्रा खंड की कुल बुकिंग 2025 में एक अरब डॉलर के पार हो गई। इस सेवा का लाभ 40 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को मिला है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसके कॉरपोरेट मंच क्वेस्ट2ट्रैवल, मायबिज और हैपे पर कुल बुकिंग एक अरब डॉलर से ज्यादा की हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेकमाईट्रिप के पास 500 बड़ी कंपनियों के ग्राहक हैं। इनमें बीएसई 500 की शीर्ष 150 कंपनियां और पूरे देश के 75,000 छोटे और मझोले व्यवसाय शामिल हैं। मेकमाईट्रिप के सह-संस्थापक और सीईओ राजेश मागो ने कहा कि हमारा कॉरपोरेट यात्रा कारोबार सामान्य उपभोक्ता व्यवसाय की तुलना में नया है लेकिन केवल पांच सालों में यह बहुत तेजी से बढ़ा है।

कावासाकी निंजा 650 पर फरवरी में ही मिलेगा कैशबैक का लाभ

नई दिल्ली । लोकप्रिय मिडिलवेट बाइक कावासाकी निंजा 650 पर 27,000 रुपये का कैशबैक ऑफर बढ़ा दिया है। यह जबर्दस्त आफर 28 फरवरी 2026 तक वैध रहेगा। बाइक की एक्स-शोरूम कीमत पहले 7.91 लाख रुपये थी, लेकिन डिस्काउंट के बाद इसकी प्रभावी कीमत घटकर करीब 7.64 लाख रुपये रह जाती है। यह वाउचर सीधे एक्स-शोरूम प्राइस पर रिडीम किया जा सकता है, जिससे खरीदारों को वास्तविक रूप से फायदा मिलता है। कंपनी ने यह डिस्काउंट इसलिए पेश किया है क्योंकि हाल ही में निंजा 650 का 2026 मॉडल लॉन्च किया गया है, और पुराने स्टॉक को क्लियर करने की रणनीति के तहत यह ऑफर जारी है। ऐसे में ग्राहकों को कम कीमत में एक प्रीमियम स्पोर्ट्स बाइक खरीदने का सुनहरा मौका मिल रहा है। निंजा 650 में 649सीसी का पैरलल-ट्विन इंजन मिलता है, जो 67 बीएचपी की पावर और 64 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसके साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है। यह इंजन स्मूदनेस, विश्वसनीयता और हाईवे पर स्थिर परफॉर्मेंस के लिए जाना जाता है, जिससे यह शहर और हाईवे दोनों परिस्थितियों में बेहतरीन राइडिंग अनुभव प्रदान करता है। यह बाइक उन राइडर्स के लिए उपयुक्त है जो 600सीसीसेगमेंट में कदम रखना चाहते हैं और स्पोर्टी लुक के साथ कम्फर्ट का संतुलन भी चाहते हैं। ट्रैक राइडिंग और टूरिंग दोनों का मज़ा लेने वालों के लिए यह एक मजबूत विकल्प है। अगर आप निंजा 650 खरीदने का विचार कर रहे थे, तो यह सही समय माना जा सकता है।

ट्रंप ने सोलर इंपोर्ट्स पर लगाया 126 प्रतिशत टैरिफ.........औंधे मुंह गिरे सोलर कंपनियों के शेयर

मुंबई ।

सोलर कंपनियों के शेयर बुधवार को बाजार खुलते ही औंधे मुंह गिर गए हैं। सोलर कंपनी वारी एनर्जीज लिमिटेड, प्रीमियर एनर्जी, विक्रम सोलर, वारी रिन्यूएबल तकनीक और इंडोसोलर लिमिटेड के शेयर बुधवार को 15 प्रतिशत तक टूट गए हैं। दरअसल अमेरिका ने भारत से किए जाने वाले सोलर इंपोट्र्स पर भारी-भरकम ड्यूटी लगा दी है, इससे इंडियन सोलर कंपनियों के शेयर बुधवार को टूट गए हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत से होने वाले सोलर इंपोट्र्स (सोलर प्रॉडक्ट्स के आयात) पर 126 प्रतिशत की शुरुआती ड्यूटी लगाई है। यह ड्यूटी ट्रंप प्रशासन की तरफ लगाए टैरिफ से अलग होगी। वारी एनर्जीज लिमिटेड के शेयर बुधवार को 15 प्रतिशत टूटकर 2571.45 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वहीं, प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड के शेयर भी 13 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ 667.05 रुपये पर पहुंच गए हैं। विक्रम सोलर लिमिटेड के शेयर 5 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़ककर 171.50 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयर भी 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 810 रुपये पर पहुंच गए हैं। इंडोसोलर लिमिटेड के शेयरों में भी 5 प्रतिशत की गिरावट आई है। भारत के अलावा, इंडोनेशिया से होने वाले आयात पर भी अमेरिका ने 86 से 143 प्रतिशत के बीच शुरुआती ड्यूटी लगा दी है। लाओस से होने वाले इंपोर्ट पर 81 प्रतिशत की ड्यूटी लगाई गई है। यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट के मुताबिक, फॉरेन सब्सिडीज के आधार पर यह रेट्स तय किए गए हैं, जिससे निर्यातक सस्ते दाम पर प्रॉडक्ट्स बेचकर घरेलू सोलर प्रॉड्यूसर्स को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट के मुताबिक, साल 2024 में भारत से सोलर इंपोट्र्स 792.6 मिलियन डॉलर रहा, जो कि साल 2022 के मुकाबले 9 गुना से ज्यादा बढ़ा है। लेकिन ड्यूटी बढ़ने से इंडियन सोलर पैनल मैन्युफैक्चरर्स को तगड़ा झटका लगेगा।

रुपया बढ़त पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 2 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.93 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह भारतीय रुपया 90.94 पर खुला और फिर 90.89 तक पहुंच गया, ये पिछले बंद भाव से 6 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं गत दिवस मंगलवार को रुपया 6 पैसे टूटकर 90.95 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे बढ़कर 90.89 पर पहुंच गया। इसका कारण डॉलर का कमजोर होना और घरेलू इक्विटी मार्केट में मजबूत शुरुआत को माना जा रहा है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आये बदलाव का प्रभाव भी रुपये पर पड़ा है।

मुकेश की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने करा दी मौज......अनिल की कंपनियों ने किया निवेशकों को निराश

मुंबई । देश के बड़े उद्योगपति मुकेश और अनिल अंबानी के समूहों की कई कंपनियां शेयर बाजार में दर्ज हैं, उनका बीते छह महीने और एक वर्ष का प्रदर्शन निवेशकों के लिए बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करता है। जहां मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली कुछ कंपनियों ने सीमित सकारात्मक रिटर्न दिया, वहीं अनिल अंबानी समूह की कंपनियों ने निवेशकों को भारी नुकसान झेलने पर मजबूर किया। अनिल के ग्रुप की कंपनियां रिलायंस पावर, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कम्युनिकेशंस में लगातार गिरावट देखने को मिली। छह माह में इन कंपनियों के शेयर 44 से 64 फीसदी तक टूटे, जबकि एक साल में भी 30 से 59 फीसदी तक का निगेटिव रिटर्न दर्ज हुआ। दिवालिया प्रक्रिया में फंसी कंपनियों की स्थिति भी निवेशकों के लिए निराशाजनक रही। वहीं इसके विपरीत, मुकेश अंबानी के समूह की प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पिछले एक साल में करीब 19 प्रतिशत का रिटर्न दिया, जो समूह की कंपनियों में सबसे बेहतर रहा। हालांकि, बाकी कंपनियां जैसे नेटवर्क18 मीडिया, हैथवे केबल एंड डेटाकॉम, डेन नेटवर्क्स, रिलायंस इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी, आलोक इंडस्ट्रीज और जस्ट डायल ने पिछले छह महीने और एक साल, दोनों अवधियों में नकारात्मक रिटर्न ही दिया। इन कंपनियों के शेयर 18 से 36 फीसदी तक टूटे, जबकि एक साल में यह गिरावट 9 से 29 फीसदी के बीच रही। कुल मिलाकर, बीते एक वर्ष में अनिल अंबानी समूह की किसी भी कंपनी ने निवेशकों को लाभ नहीं पहुंचाया, जबकि मुकेश अंबानी के समूह में सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज ही भरोसेमंद निवेश विकल्प बनी रही। यह तुलना साफ दिखाती है कि अंबानी समूह की कंपनियों में निवेश करने वालों के लिए पिछले एक साल में सबसे सुरक्षित और फायदे का सौदा सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज ही साबित होती।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुए। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 50.15 अंक की बढ़त के साथ ही 82,276.07 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 57.85 अंक बढ़कर 25,482.50 पर बंद हुआ। आज सुबह बाजार आईटी शेयरों में तेजी से ऊपर आया पर सत्र के अंत में बड़े लार्जकैप शेयरों में बिकवाली हावी होने से दिन भर की बढ़त उसने खो दी। बाजार में और भी गिरावट होती पर मेटल और ऑटो स्टॉक्स ने उसे संभाल लिया। निफ्टी मेटल 2.70 फीसदी और निफ्टी ऑटो और फार्मा 1.85-1.85 फीसदी बढ़त पर बंद हुए। निफ्टी हेल्थकेयर 1.59 फीसदी, निफ्टी आईटी 1.57 फीसदी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 1.35 फीसदी, निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.93 फीसदीऔर निफ्टी कमोडिटीज 0.75 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर निफ्टी पीएसयू बैंक 0.39 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 0.30 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.25 फीसदी और निफ्टी रियल्टी 0.19 फीसदी टूटकर बंद हुआ।

आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 339.75 अंक की की तेजी के साथ 59,406.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 160.05 अंक की मजबूती के साथ 17,118.70 पर था। सेंसेक्स पैक में आज एचसीएल टेक, टाटा स्टील, टीसीएल, इंडिगो, सन फार्मा, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, बीईएल, एलएंडटी, टेक महिंद्रा, टाइटन, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एचयूएल और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे जबकि एसबीआई, , भारती एयरटेल, आईटीसी, कोटक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस और ट्रेंट नुकसान में रहे

थे। गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 102.53 करोड़ रुपए की बिकवाली की थी। वहीं, इससे पहले सोमवार को एफआईआई ने कैश मार्केट में 3,483.70 करोड़ रुपए की खरीदारी की थी।

इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स करीब 475 अंक बढ़कर 82,748 और निफ्टी 145 अंक उछलकर 25,568 पर खुला। आज बाजार में सकारात्मक प्रभाव रहा है। ऐसे में काफी शेयर उछले हैं। ज्यादातर वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हुआ। शंघाई, टोक्यो, हांगकांग, बैंकॉक, जकार्ता के बाजारों में तेजी रही। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार गत दिवस बढ़त पर रहे। शेयर बाजार में तेजी का कारा एफआईआई की ओर से बिकवाली का दबाव कम होना है। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के शेयरों में 102.53 करोड़ रुपए की बिकवाली रही। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,161.22 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

मोदी सरकार ने कर दिया उपाय........... खादय तेलों की कीमतों में आएगी कमी

कीमतों में पांच से 10 रुपये प्रति लीटर तक की कमी

नई दिल्ली।

खादय तेलों की बढ़ी कीमत से परेशान लोगों को राहत देने के लिए मोदी सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में बड़ी कटौती कर दी है। केंद्र सरकार के फैसले के बाद 31 मई से बाजार में खाद्य तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिलेगी।

इस कदम का सीधा असर तेल की बोतलों पर छपे अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर होगा और कंपनियां जल्द ही नए दामों के साथ तेल उत्पाद बाजार में उतारेंगी। खबरों के अनुसार केंद्र सरकार ने कच्चे पाम, कच्चे सोयाबीन और कच्चे सूरजमुखी तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी कम कर दी है।

अब तक कच्चे पाम ऑयल, सोयाबीन और सूरजमुखी तेल पर 20 प्रतिशत आयात शुल्क वसूला जा रहा था, इस अब मोदी सरकार ने घटाकर सीधा 10 प्रतिशत किया है।

चूंकि भारत अपनी खाद्य तेलों की जरूरत का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा दूसरे देशों से खरीदकर पूरा करता है, इसकारण टैक्स में हुई 10 प्रतिशत की कटौती सीधे तौर पर घरेलू बाजार में तेल की बोतलों और पैकेटों के दाम नीचे लाएगी। शुल्क में कमी के बाद इन तेलों के आयात की लागत कम होगी, जिससे रिफाइनरी कंपनियों को सस्ता कच्चा माल मिलेगा। माना जा रहा है कि इसका फायदा सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाएगा।

दरअसल भारत पाम ऑयल के लिए मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे देशों पर निर्भर है, जबकि सूरजमुखी तेल यूक्रेन और रूस जैसे देशों से आता है। सितंबर 2024 में जब केंद्र सरकार ने टैक्स बढ़ाया था, तब तेल के दाम अचानक आसमान छूने लगे थे। केंद्र सरकार ने तेल उद्योग से स्पष्ट कहा है कि आयात शुल्क में दी गई राहत का लाभ ग्राहकों तक पहुंचना चाहिए।

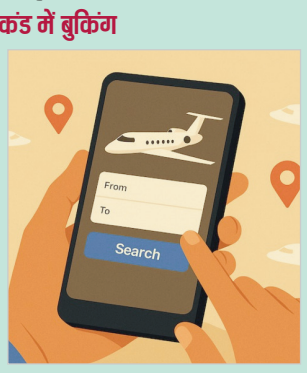

खाद्य तेल कंपनियां अब अपने स्टॉक और नई खेप के हिसाब से अधिकतम खुदरा मूल्य में संशोधन कर रही हैं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अगले कुछ हफ्तों में खुदरा बाजार में कीमतों में पांच से 10 रुपये प्रति लीटर तक की कमी देखने को मिलेगी, हालांकि वास्तविक गिरावट ब्रांड और क्षेत्र के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।

स्मार्टफोन से जेट की बुकिंग

कम किराए पर विमान 30 सेकंड में बुकिंग

लंदन । अमेरिका और ब्रिटेन में अब प्राइवेट एविएशन कंपनियों द्वारा स्मार्टफोन पर हवाई जहाज बुकिंग की सुविधा दी गई है। कम किराये पर बिना बिचौलिए के 30 सेकंड के अंदर विमान बुक करके उपलब्ध कराने का दावा कंपनियां करने लगी हैं। स्मार्टफोन से बुकिंग का काम, फ्लाई हाउस, जेटली,लेबो डॉट एयरो जैसी कई कंपनियां 30 सेकंड के अंदर विमान बुक करने का वादा करती हैं। इसके पहले अभी तक यह बड़ा सिर दर्द वाला काम होता था। अब विमानन कंपनियों द्वारा अपने विमान की वीडियो उनकी कीमत और अन्य जानकारी स्मार्टफोन पर उपलब्ध करा दी जाती है। फ्लाई हाउस नामक कंपनी ने एक नया फीचर जोड़ा है। उसमें समान रुचि वाले लोगों के लिए पूरी फ्लाइट के बजाय पसंद की कुछ सीटों पर बुकिंग की सुविधा देना शुरू कर दी है। जिसके कारण लोग अपने रुचि वाले लोगों के साथ विमान में यात्रा कर पा रहे हैं। विमानन क्षेत्र में यह बड़ा परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

खुदरा ऋण बकाया दिसंबर तिमाही में 18.1 फीसद बढ़कर 162 लाख करोड़ पहुंचा

-सोने में तेजी, त्योहारी मांग, जीएसटी में कटौती से कर्ज वितरण को मिला बढ़ावा

मुंबई।

खुदरा ऋण का बकाया दिसंबर तिमाही में 18.1 फीसदी बढ़कर 162 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। सोने की कीमतों में तेजी, त्योहारी मांग और जीएसटी दरों में कटौती से कर्ज वितरण को बढ़ावा मिला है। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर-दिसंबर, 2025 तिमाही के दौरान खुदरा ऋण में सबसे बड़ा हिस्सा रखने वाला आवासीय ऋण खंड 10.5 फीसदी बढ़कर 43 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं, सोने के बदले कर्ज यानी स्वर्ण ऋण में 44.1 फीसदी की वृद्धि हुई और इसका बकाया 16.2 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान व्यक्तिगत ऋण खंड का बकाया भी 11.6 फीसदी बढ़कर 15.9 लाख करोड़ रुपए हो गया।

रिपोर्ट के मुताबिक जीएसटी दरों में कटौती से वाहन कर्ज में 14.6 फीसदी, दोपहिया वाहन ऋण में 12.3 फीसदी और टिकाऊ उपभोक्ता सामान ऋण में 14.3 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। आलोच्य अवधि में एकल स्वामित्व वाली इकाइयों द्वारा लिए गए ऋण का बकाया 26.2 फीसदी बढ़ा। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर 30 से 180 दिन की देरी वाले खुदरा ऋणों का अनुपात घटकर दिसंबर, 2025 में 2.8 फीसदी रह गया, जो एक साल पहले 3.2 फीसदी था। आवासीय ऋण के संदर्भ में सक्रिय ऋण खातों की संख्या 3.3 लाख बढ़ी, जो औसत ऋण आकार में वृद्धि का संकेत है।

एन्थ्रोपिक की साझेदारी से आईटी शेयरों में जोरदार उछाल

एआई से व्यवधान की आशंका घटी, इनफोसिस, विप्रो और टाटा कन्सलटेंसी सर्विस में 5 फीसद तक तेजी

नई दिल्ली।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर सॉफ्टवेयर उद्योग में छाई अनिश्चितता के बीच अमेरिकी एआई स्टार्टअप एन्थ्रोपिक की नई साझेदारियों ने भारतीय आईटी सेक्टर को बड़ी राहत दी है। कंपनी द्वारा कई एसएएएस फर्मों के साथ रणनीतिक गठजोड़ की घोषणा के बाद बुधवार को देश की प्रमुख आईटी कंपनियों के शेयरों में 5 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई। बाजार में यह उछाल ऐसे समय में आया है, जब पिछले पांच कारोबारी सत्रों से लगातार बिकवाली का दबाव बना हुआ था। इन्फोसिस, विप्रो और टाटा कंसल्टेंसी सर्विस (टीसीएस) के शेयरों में निवेशकों की जोरदार खरीदारी देखी गई। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि एंथ्रोपिक की घोषणा से यह संकेत मिला है कि एआई पारंपरिक आईटी सेवाओं के लिए खतरा नहीं, बल्कि सहयोगी भूमिका निभाएगा। एंथ्रोपिक ने अपने 'एंटरप्राइज एजेंट' इवेंट में कई बड़े प्लेटफॉर्म के साथ इंटीग्रेशन की घोषणा की। कंपनी ने अपने क्लाउड को-वर्क प्लेटफॉर्म को सेल्सफोर्स के स्लैक, इनफुटह्न, डोकुसिंग्न, लीगलजूम, फेक्टसेट और गूगल के जीमेल जैसे एंटरप्राइज एप्लीकेशंस के साथ जोड़ने की सुविधा दी है। साथ ही, वित्तीय विश्लेषण, इंजीनियरिंग और मानव संसाधन जैसे क्षेत्रों के लिए कस्टमाइज्ड प्लगइन्स की भी घोषणा की गई है। अमेरिकी बाजार से भी सकारात्मक संकेत मिले। वॉल स्ट्रीट पर टेक शेयरों में तेजी के चलते डाव जोनेस इंडस्ट्रियल एवरेज में 370 अंकों की बढ़त दर्ज की गई, जबकि एसएंडपी 500 और नसडक कॉम्पोसाइट क्रमशः 0.7 फीसद और 1.1फीसद चढ़े।

बैंगलुरु में एटीएम पर कैश की किल्लत, नहीं मिल रहे 500 रुपए के नोट

-बैंकिंग सिस्टम धीमा, जितना कैश निकल रहा है, उतना नहीं आ रहा वापस

नई दिल्ली।

आईटी हब बैंगलुरु में इन दिनों एटीएम पर कैश की किल्लत देखने को मिल रही है। शहर के कई इलाकों में लोग एक एटीएम से दूसरे एटीएम तक भटक रहे हैं लेकिन पर्याप्त नकदी नहीं मिल पा रही है। खासतौर पर 500 रुपए के नोट की उपलब्धता बेहद सीमित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकारी और निजी दोनों बैंक अचानक बढ़ी नकदी मांग के दबाव में हैं। बैंकों के पास कैश की सप्लाई पूरी तरह रुकी नहीं है लेकिन निकासी में तेजी आने से एटीएम समय पर रिफिल नहीं हो पा रहे हैं। परिणामस्वरूप मशीनों में सीमित मात्रा में ही कैश डाला जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग सूत्रों का कहना है कि करंट और ओवरड्राफ्ट खातों से बड़े पैमाने पर नकदी निकाली जा रही है। निर्माण, प्रॉपर्टी डेवलपमेंट और सरकारी सिविक प्रोजेक्ट्स से जुड़े कारोबारी और ठेकेदार मजदूरी व अन्य भुगतान के लिए नकद का इस्तेमाल कर रहे हैं। आम तौर पर यह पैसा कुछ दिनों में बैंकिंग सिस्टम में वापस लौट आता है लेकिन हाल के हफ्तों में यह चक्र धीमा पड़ा यानी जितना कैश निकल रहा है, उतना वापस नहीं आ रहा है। शहर में नगर निगम

चुनाव प्रस्तावित हैं, वहीं पड़ोसी राज्यों केरल और तमिलनाडु में भी आगामी महीनों में विधानसभा चुनाव होना हैं। कुछ जानकारों का मानना है कि चुनावी तैयारियों के चलते नकदी की मांग बढ़ सकती है। हालांकि इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार बढ़ती नकद निकासी शुरुआती चेतावनी संकेत मानी जाती है। आरबीआई करेंसी की उपलब्धता पर नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर संतुलन बहाल करने के उपाय कर सकता है। इस बीच बैंकों ने ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग का ज्यादा इस्तेमाल करने की सलाह दी है, ताकि नकदी पर दबाव कम किया जा सके। बैंक एटीएम में रिफिल को प्राथमिकता देने की बात कह रहे हैं लेकिन फिलहाल 500 रुपए के नोट की कमी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी है।

होली से पहले कंपनियां एलपीजी के रेट करेंगी अपडेट, उपभोक्ताओं को लग सकता है झटका

नई दिल्ली।

होली से पहले 1 मार्च को लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के रेट अपडेट होंगे। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां इस दिन नए रेट जारी करेंगी। पिछले पांच साल का ट्रेंड बताता है कि मार्च के महीने में घरेलू और कॉमर्शियल सिलेंडर के रेट बढ़े ही हैं। कॉमरशियल सिलेंडर तो हर बार महंगा हुआ है, जबकि इस दौरान घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट मार्च में जब भी बदले, उपभोक्ताओं को झटका ही लगा है। अभी दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर 853 रुपए, कोलकाता में 879, मुंबई में 852.50 और चेन्नई में 868.50 रुपए में मिल रहा है।

यह आंकड़े इंडियन ऑयल की वेबसाइट से लिए गए हैं। इसके अनुसार कॉमर्शियल सिलेंडर दिल्ली में 1740.50 रुपए, कोलकाता में 1844.50, मुंबई में 1692 और चेन्नई में 1899.50 रुपए में बिक रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच साल में तीन बार ही मार्च में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट बदले। दो बार 1 मार्च को और एक बार 22 मार्च को। एक मार्च 2023 को घरेलू एलपीजी सिलेंडर 50 रुपए महंगा हो गया था। 6 जुलाई 2022 के बाद रेट में बदलाव हुआ था और दिल्ली में यह 50 रुपए बढ़कर 1103 रुपए पर पहुंच गया था। 14 किलो वाले इस सिलेंडर के दाम कोलकाता में 1129, मुंबई में 1102.50 और चेन्नई में 1118.50 रुपएपर पहुंच गए थे, जबकि साल 2022 में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट में बदलाव 22 मार्च को हुआ। इस दिन भी 50 रुपए का इजाफा हुआ था। रेट में बदलाव 6 अक्टूबर 2021 के बाद हुआ था।

दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 949.50 रुपए पर पहुंच गया। इसी तरह कोलकाता में 976, मुंबई में 949.50 और चेन्नई में 965.50 रुपए का हो गया। साल 2021 का मार्च भी घरेलू एलपीजी सिलेंडर के उपभोक्ताओं को झटका ही दिया। 1 मार्च 2021 को घरेलू एलपीजी सिलेंड दिल्ली में 25 रुपए महंगा होकर 819, कोलकाता में 845.50, मुंबई में 819 और चेन्नई में 835 रुपए का हो गया। पिछले साल यानी 2025 में दिल्ली में कॉमर्शियल सिलेंडर के रेट में मामूली बढ़ोतरी हुई थी। एक फरवरी को 19 किलो वाला सिलेंडर यहां 1 फरवरी को 1797 रुपए में बिक रहा था, जो 1 मार्च 2025 को 6 रुपए बढ़कर 1803 रुपए हो गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां सुपर-8 के अपने दूसरे मैच में जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसे सेमीफाइलन की उम्मीदें बनाये रखने के लिए इस मैच में बड़े अंतर से जीत चाहिये। भारतीय टीम के लिए हालांकि ये आसान नहीं है क्योंकि उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ असफल रहे थे। वहीं गेंदबाजी भी खास नहीं रही है। इसके अलावा जिम्बाब्वे का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है उसने लीग स्तर में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराया है। ऐसे में उसे कमजोर मानना भूल होगी।

दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीका का रन रेट भी माइनस 3.80 हो गया है। इससे उससे सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए इस मुकाबले में बड़ी जीत चाहिये। इसके लिए पारी की शुरुआत और तीसरे नंबर की असफलता से उसे उबरना होगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा फार्म में नहीं है। वहीं नंबर तीन पर तिलक वर्मा भी अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। केवल ईशान किशन ने ही अब रन बनाये हैं।

ऑफ स्पिनरों के सामने अभिषेक रन नहीं बना पा रहे हैं जिससे भी भारतीय टीम को भारत को नुकसान हो रहा है। इस टूर्नामेंट में चार मैचों में वह केवल 15 रन ही बना सके हैं जबकि उनका स्ट्राइक रेट 75 और औसत 3.75 रहा। ऐसे में उनकी जगह पर इस मैच में संजू सैमसन को उतारने की मांग हो रही है।

वहीं तिलक को भी अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। अब तक केवल ईशान ने ही 193 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव का स्ट्राइक रेट 127 रहा है जो उनके टी20 करियर के 161 के स्ट्राइक रेट से काफी कम है जिससे ईशान पर काफी दबाव बन गया है। शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या ने अब तक अच्छा खेला है और निचले क्रम पर इन दोनो से आगे भी बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीदें हैं। बायें हाथ के तीन बल्लेबाजों ईशान, अभिषेक और तिलक के सामने विरोधी टीमों ने पावरप्ले में आफ स्पिनरों का उपयोग कर इनपर अंकुश

लगाने का प्रयास किया है जिसमें वे सफल भी हुई हैं। इस मैच में ऑफ स्पिनरों की रणनीति को विफल करने के लिए संजू सैमसन को अवसर मिल सकता है। उनके आने से दाये और बाएं हाथ की सलामी जोड़ी बेहतर रहेगी। ऐसे में टीम प्रबंधन सूर्यकुमार को तीसरे और तिलक को चौथे नंबर पर उतार सकता है। वैसे चेपॉक की पिच से उन्हें काफी मदद मिल सकती है। जिम्बाब्वे के पास उतना खतरनाक स्पिन आक्रमण भी नहीं है। तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी , रिचर्ड एनगारावा और ब्राड इवांस को हालांकि कम नहीं आंका जा सकता है। गेंदबाजी में भी भारतीय टीम को वरुण चक्रवर्ती , जसप्रीत बुमराह से और बेहतर गेंदबाज की उम्मीद करनी होगी। पिछले मैच में भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के तीन विकेट 20 रन पर गिरा दिये थे पर बीच के दौर में कमजोर गेंदबाजी के कारण अफ्रीकी टीम 187 रन बनाने में सफल रही। जिससे भारतीय बल्लेबाज दबाव में आ गयी।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह।

जिम्बाब्वे: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड एनगारवा।

शास्त्री ने टीम को सही रणनीति और संयोजन से उतरने की सलाह दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का कहना है कि अब टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 में मिली करारी हार से सबक लेते हुए आगे के मैचों में सही संयोजन से उतरना होगा। इस मैच में मिली हार के बाद प्रबंधन के कई फैसलों पर भी सवाल उठे हैं। ऐसे में अब टीम के ऊपर बचे हुए दोनो मैचों को बड़े अंतर से जीतने का दबाब है। शास्त्री का कहना है कि अब टीम को अपने संयोजन पर फिर से विचार करना होगा।

शास्त्री ने कहा, 'आप लगातार 12 मैच जीतते हैं, तो एक खराब दिन आना तय है। शायद यही वह बदलाव है जिसकी भारत को जरूरत थी। यह टीम को अपनी रणनीति और संयोजन पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर सकता है। इस हार से उन्होंने यह सीख लिया होगा कि अब चीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता है क्योंकि सुपर 8 में अगर एक और मैच हारते हैं तो बाहर हो जाएंगे।'

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल की जगह पर टीम ने वाशिंगटन सुंदर को अवसर दिया पर सुंदर असफल रहे। अब अक्षर को वापस टीम में लाने की मांग बढ़ रही है। वहीं शास्त्री चाहते हैं कि सुंदर को भी टीम से बाहर न किया जाए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्हें अक्षर को वापस लाना चाहिए। आपको उनका अनुभव चाहिए। मैं कहूंगा कि दोनों को खिलाएं। स्वयं को एक अतिरिक्त विकल्प दें। किसी भी दिन एक गेंदबाज का खराब दिन हो सकता है, जैसे रविवार को वरुण चक्रवर्ती का हुआ था। वह अपने सर्वश्रेष्ठ पर नहीं थे और इसका नुकसान टीम को हुआ।' 'अगर अक्षर पटेल खेल रहे हैं, तो वह नंबर 8 पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।,'

आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पांच में पहुंचे ईशान और फरहान

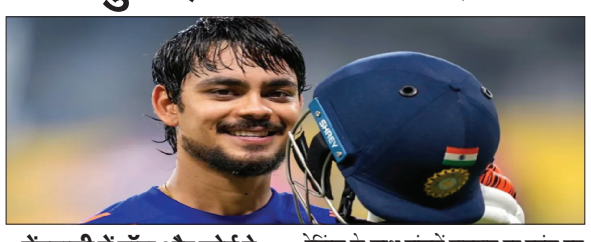

-गेंदबाजी में बॉश और फोर्ड ने लंबी छलांग लगायी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 रैंकिंग में भारतीय टीम के बल्लेबाज ईशान किशन लंबी छलांग लगाकर शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। ईशान को टी20 विश्वकप में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। वहीं भारतीय टीम के अभिषेक शर्मा हाल में खराब प्रदर्शन के बाद भी नंबर एक पर बरकरार हैं हालांकि उनकी रेटिंग 891 से घटकर 877 रह गई है। वहीं टूर्नामेंट में काफी रन बनाने वाले पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान भी दो पायदान ऊपर आकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट 815 रेटिंग्स के साथ दूसरे और साहिबजादा फरहान 810 रेटिंग्स के साथ तीसरे स्थान पर हैं। ईशान 742 रेटिंग्स के साथ पांचवें पायदान पर पहुंच गए हैं। भारत के खिलाफ आक्रामक पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस शीर्ष 10 में पहुंच गये हैं। ब्रेविस ने 10 पायदान की लंबी छलांग लगाये है जिससे वह 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले हैरी ब्रूक 10 पायदान की छलांग लगाकर 18वें नंबर पर पहुंच गये हैं।

वहीं गेंदबाजी की बात करें तो भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पहले स्थान पर बने हुए हैं। वहीं भारत के ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी छलांग लगाकर 8वें नंबर पर पहुंच गये हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश 21 पायदान की लंबी छलांग लगाकर तीसरे नंबर जबकि वेस्टइंडीज के मैथ्यू फोर्ड 23 पायदान की छलांग लगाकर 7वें नंबर पर पहुंच गये हैं।

टी20 विश्वकप: इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी, बचे हुए तीन स्थानों के लिए सात टीमों में मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-आठ मुकाबले में जीत के साथ ही इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप 2026 सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड ने इससे पहले हुए सुपर-आठ मुकाबले में श्रीलंका को हराया। अपने दूसरे सुपर-8 मुकाबले में कप्तान हैरी ब्रूक की शानदार शतकीय पारी से इंग्लैंड ने पाकिस्तान को दो विकेट से हरा दिया। इस मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने 164 रन बनाये और इंग्लैंड को जीत के लिए 165 रनों का लक्ष्य दिया। जिसे इंग्लैंड टीम ने कप्तान हैरी के शतक से 2 विकेट रहते हासिल कर लिया। हैरी टी20 विश्व कप के इतिहास में शतक लगाने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी हैं। अब सेमीफाइनल के बचे अब तीन स्थानों के लिए कुल 7 दावेदारों के बीच मुकाबला है। सुपर-8 में शामिल अभी कोई टीम से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है।

पाकिस्तान : इंग्लैंड से हार के बाद भी पाक टीम अभी तक सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर नहीं हुई है। पाक का अंतिम मैच श्रीलंका से है। अगर पाकिस्तान वह मैच जीतता है और न्यूजीलैंड की टीम अपने अगले दोनों मैच हारती है तो पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं अगर इंग्लैंड टीम एक भी मैच जीतती है तो तब फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा।

भारत: भारतीय टीम की स्थित सबसे कठिन है। पहले सुपर-8 मैच में दक्षिण अफ्रीका से मिली 76 रनों से हार के कारण भारतीय टीम का नेट रन रेट निगेटिव में है। ऐसे में उसे अपने दोनो बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने के साथ ही अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी।

श्रीलंका : मेजबान श्रीलंका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सबसे पहले अपने बचे दो मुकाबले न्यूजीलैंड और पाकिस्तान से अच्छे अंतर से जीतने होंगे। खिलाफ जीतने होंगे। अगर श्रीलंका ऐसा करता है तो उनके अधिकतम 4 अंक होंगे। ऐसे में उन्हें प्रार्थना करनी होगी कि कीवी टीम सुपर-8 में एक मैच हारे जिससे उसके अंक 3 से आगे न हों। ऐसे में श्रीलंका सेमीफाइनल में पहुंच सकती है।

न्यूजीलैंड: न्यूजीलैंड का सुपर-8 में अगले दो मैच श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ खेलने है। अगर न्यूजीलैंड इन दोनों मैचों में जीत दर्ज करता है तो उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता। कीवी टीम का पहला मुकाबला पाक से था जो बारिश के कारण नहीं हुआ था। जिससे उसके पास अभी एक अंक है। ।

दक्षिण अफ्रीका : भारत से पहला मैच जीतकर उसके दो अंक हैं और नेट रनरेट भी काफी अच्छा है। ऐसे हराकर दक्षिण अफ्रीका की टीम अपने बचे हुए दोनो ही मैच वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे से जीतती है तो आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच सकती है पर एक भी मैच हारने पर फैसला नेट रन रेट से होगा।

वेस्टइंडीज: वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे से पहला मैच जीत लिया है। अब उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बचे दोनों मैच जीतने होंगे। इसमें अगर वेस्टइंडीज एक मैच हारती है तो फैसला नेट रन रेट से होगा।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा की टीम भी अभी तक पूरी तरह से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है। उनके बचे दो कठिन मुकाबले भारत और दक्षिण अफ्रीका से है। उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पहले ये दोनों मैच जीतने होंगे, फिर नेट रन रेट के आधार पर उन्हें नॉकआउट में प्रवेश मिलेगा।

इटली में महिला क्रिकेटर के यौन शोषण का मामला सामने आया, आरोपी अधिकारी निलंबित

रोम । इटली में एक महिला क्रिकेटर के यौन शोषण के आरोपों के बाद क्रिकेट बोर्ड से जुड़े एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। महिला क्रिकेटर के आरोपों के बाद ऑर्डिनेटर प्रबाथ एक्नेलिगोडा को क्रिकेट फेडरेशन ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। फेडरेशन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस मामले की जांच फेडरल प्रॉसिक्यूटर करेगा। यौन शोषण का ये मामला पिछले साल का बताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फेडरेशन ने कहा, साल 2025 के दौरान फेडरेशन की अध्यक्ष ने एथलीट्स और इससे जुड़े दूसरे पक्षों की पूर्ण सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारियों का पालन करते हुए आरोपी अधिकारी को हर तरह की फेडरल से बाहर किये जाने का आदेश दिया है बोर्ड ने अपने बयान में कहा कि हालातों का पूरी तरह से आंकलन अभी नहीं किया गया है। निलंबन का फैसला इसलिे लिया गया है जिससे गैरजरुरी अटकलों पर रोक लगे और खेल का वातावरण साफ बना रहे। वहीं रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी के वकील ने कहा है कि उसके खिलाफ साजिश हुई है।

आईपीएल के कारण टी20 क्रिकेट का बेहतर खिलाड़ी बना हूं : एनगिडी

मुम्बई । दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खेलने का लाभ उन्हें मिला है। एनगिडी के अनुसार आईपीएल में मिले अनुभवों से ही उनकी गेंदबाजी बेहतर हुई है। इस तेज गेंदबाज के अनुसार टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं बल्कि आईपीएल के कारण उनका गेंदबाजी कौशल बेहतर हुआ है। वह 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ जुड़े थे और इस दौरान उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। इस दौरान उन्होंने वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो से धीमी गेंद की बारीकियां सीखी और तब से उनकी गेंदबाजी भी बदल गयी। इसी कारण वह इस बार विश्वकप में अच्छी गेंदबाजी करने में सफल रहे हैं।एनगिडी के अनुसार जब वह पहली बार आईपीएल खेलने के लिए उतरे तो उस सत्र में उन्हें ज्यादा अवसर नहीं मिले थे पर नेट्स में समय बिताने से उनकी गेंदबाजी निखर गयी। एनगिडी ने कहा कि उन्होंने धीमी गेंद, यॉर्कर, बैक ऑफ लेंथ स्लोअर डिलीवरी और धीमी बाउंसर पर लगातार काम किया। उन्होंने कहा कि एक ही एक्शन से अलग-अलग लेंथ और गति से गेंदबाजी आसान नहीं होती पर अभ्यास से से उनके लिए आसन हुआ है। बल्लेबाज के लिए अगली गेंद का अंदाजा लगाना कठिन बनाना ही उनका लक्ष्य रहता है। स्वदेश लौटने के बाद उन्होंने इस कौशल को बेहतर बनाने पर काम किया है। इसी कारण वह टी20 प्रारूप में अधिक प्रभावी गेंदबाज बन पाये हैं। एनगिडी ने भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबल में भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में केवल 15 रन देकर भारतीय टीम पर दबाव बना था। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को उनकी गेंदों की दिशा और गति समझने में परेशानी हुई। एनगिडी ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर ऑफ-कटर की जगह लेग कटर का इस्तेमाल किया, ताकि बल्लेबाज़ की तैयारी का अंदाजा लगाते हुए उसे हैरान किया जा सके। एनगिडी का मानना है कि आमतौर पर विरोध टीमों का ध्यान उनपर नहीं रहता जिसका लाभ भ उन्हें मिला है

एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है भारतीय टीम

-बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है साक्षी

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम आजकल मुख्य कोच शॉर्ड मारिन के मार्गदर्शन में एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है। टीमें में शामिल उभरती हुई मिडफील्डर साक्षी राणा भी अभ्यास में लगी हुई है और अपनी ओर से और बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है। साक्षी का कहना है कि वह हर दिन यही सोचकर मैदान पर उतरती हैं कि उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। इस शिविर में मुख्य कोच मारिन के अलावा वैज्ञानिक सलाहकार वेन लोम्बार्ड भी खिलाड़ियों की सहायता कर रहे हैं।

वहीं साक्षी ने कहा, हर दिन मैं यह सोचकर बाहर निकलती हूं कि मुझे अपना

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। अगर मैं क्वालिफाइंग राउंड में खेलती हूं, तो मेरा लक्ष्य टीम की जीत में योगदान देना है। आजकल हम हर दिन अभ्यास कर रहे हैं और कोच द्वारा बनायी योजना को पूरी तरह लागू करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोचिंग स्टाफ टीम की कमजोरियों पर विशेष ध्यान दे रहा है। फिटनेस, ताकत और रिकवरी पर लगातार काम हो रहा है। लोम्बार्ड खिलाड़ियों को शारीरिक क्षमता और रिकवरी के महत्व को समझा रहे हैं।

साक्षी ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों से भी पूरा सहयोग मिल रहा है। टीम में सकारात्मक माहौल है और सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कोच ने साक्षी को मैदान में संवाद शैली भी ठीक करने को कहा है। वह सेंटर मिडफील्ड में खेलती हैं, इसलिए खेल को तेजी से पढ़ना और सही समय पर पास देना उसके लिए सबसे जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव तेजी से बनता है, ऐसे में समय पर फैसला लेना भी जरुरी है। भारतीय टीम को पहले क्वालिफायर में 8 मार्च को तेलंगाना के हैदराबाद में उरुग्वे से खेलना है। इसके बाद टीम 9 मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स का सामना करेगी।

बाबर आजम विश्वकप में सबसे धीमी बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी बने

कोलंबो । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज बाबर आजम ने टी20 विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 24 गेंदों पर 25 रनों रन ही बनाये। इस दौरान बाबर केवल दो चौके ही लगा पाये और उनका स्ट्राइक रेट 104.17 का था। इसके साथ ही उनके नाम सबसे धीमी बल्लेबाजी का अनचाह रिकार्ड दर्ज हो गया है। यह पहली बार नहीं है जब बाबर ने इतनी धीमी बल्लेबाजी की है। विश्वकप में अगर धीमी बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों की सूची पर नजर डालें तो उनमें सबसे खराब स्ट्राइक रेट बाबर का ही है। शीर्ष-5 बल्लेबाजों की इस सूची में दो और पाकिस्तानी भी मौजूद हैं। बाबर ने साल 2021 में इस टूर्नामेंट में डेब्यू किया था। तब से लेकर वह अभी तक 23 पारियां में उन्होंने 640 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट मात्र 111.5 का रहा है, जो कम से कम टी20 वर्ल्ड कप में 500 रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबस कम है। बाबर आजम ने इस सूची मे अपने ही देश के मोहम्मद हफीज को ही पीछे छोड़ दिया है। हफीज का टी20 वर्ल्ड कप में स्ट्राइक रेट 111.8 का था। सूची में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के ही मोहम्मद रिजवान है। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में 113 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वहीं श्रीलंका के कुमार संगकारा ने 112.2 - जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन ने 112.5 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये।

ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ खेलेगी दक्षिण अफीकी टीम : सीएसए

प्रिटोरिया । क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा है कि उनकी टीम आने वाले समय में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसी का कार्यक्रम उसने जारी किया है। सीएसए के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 24 से 30 सितंबर के बीच किंग्समीड स्टेडियम से शुरू होगी। वहीं इसके बाद टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) के लिए तीन टेस्ट मैच खेलेगी। ये मैच नौ अक्टूबर से डरबन में खेले जाएंगे। इसके बाद गकेबरहा में 18 अक्टूबर से और न्यूलैंड्स में 27 अक्टूबर से तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। इसके बाद बांग्लादेश से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इसका पहला मैच 15 से 19 नवंबर तक वांडरर्स स्टेडियम में होगा, जबकि दूसरे मैच 23 से 27 नवंबर तक सेंचूरियन में खेला जाएगा। वहीं इसके बाद 1 से 7 दिसंबर के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इसके अलावा 10 से 13 दिसंबर के बीच टी-20 मुकाबले किम्बरली, बेनोनी और सेंचुरियन में खेले जाएंगे। इसके बाद इंग्लैंड के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 17 दिसंबर से वांडरर्स स्टेडियम में शुरू होगी। इसके बाद में पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट और न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में नए साल का टेस्ट होगा। दक्षिण अफ्रीका का घरेलू सीजन 10 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के साथ समाप्त होगा। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेत्सी मोसेकी ने कहा, हम इन तीनों टीमों के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। इससे हमारी टीम और बेहतर होकर उभरेगी।

पावरप्ले में ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ सहज नहीं सलामी बल्लेबाज : अभिषेक नायर

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच रहे अभिषेक नायर ने कहा है कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप में अब तक टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। अभिषेक के अनुसार सुपर 8 स्तर में सलामी जोड़ी संघर्ष करती दिखी है। वहीं पावरप्ले में ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाज सहज नहीं दिखे। अब तक केवल। ईशान किशन ही रन बनाने में सफल रहे हैं। ईशान ने 5 मैचों में 35.20 के औसत से 176 रन बनाए हैं। वहीं बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अब तक असफल रहे हैं। वह चार मैचों में से तीन में खाता भी नहीं खोल पाये। वहीं चौथे मैच में उन्होंने 15 रन बनाए हैं। नायर ने कहा कि शीर्ष क्रम अभी तक सहज होकर नहीं खेल पा रहा। नई गेंद से ऑफ-स्पिनर विविधता ला रहे हैं जिससेस भी बल्लेबाजों के लिए पावरप्ले के ओवरों में शॉट लगाना कठिन हो रहा है। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज भी पारी की शुरुआत में रोस्टन चेस से गेंदबाजी करा सकती है। ऐसे में भारतीय सलामी बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। भारतीय टीम को अब टूर्नामेंट में बने रहने के लिए बचे हुए दो सुपर-8 मैच बड़ं अंतर से जीतने होंगे। भारतीय टीम को अब अगले मैच में जिम्बाब्वे और फिर वेस्टइंडीज से खेलना है।

टी20 विश्व कप में टीम इंडिया की फ्लॉप बैटिंग पर कोच सितांशु कोटक का बयान, 'हमें पॉजिटिव रहना होगा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने गुरुवार को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले करो या मरो के मुकाबले से पहले टीम इंडिया से सकारात्मक रहने और बेहतर क्रिकेट खेलने का आग्रह किया है। टीम इंडिया को सुपर आठ चरण के पहले मैच में 76 रनों की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा, जिससे मौजूदा चैंपियन टीम मुश्किल दौर में आ गई है।

टीम इंडिया को खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए अपने सभी बचे हुए मैच जीतने होंगे और साथ ही यह भी उम्मीद करनी होगी कि दक्षिण अफ्रीका सुपर आठ चरण में अपराजित रहे। भारत के बल्लेबाज अब तक टूर्नामेंट में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं, उनका औसत मात्र 20 है, जो सुपर आठ में क्वालीफाई करने वाली टीमों में सबसे कम है। टीम ने 11 बार शून्य पर आउट होकर बल्लेबाजी की है, जो बल्लेबाजी में शुरुआती अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की कठिनाई को उजागर करता है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले टीम के खराब प्रदर्शन के कारणों और इससे निपटने की योजना के बारे में पूछे जाने पर, कोटक ने मैच से पहले की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सभी द्विपक्षीय मैचों को देखें तो बल्लेबाजी वाकई अच्छी चल रही थी। मुझे लगता है कि इस विश्व कप में भी, पिछला मैच थोड़ा चिंताजनक था क्योंकि लगभग डेढ़ साल में, हमने सिर्फ दो बार ही 150 से कम रन बनाए हैं। इसलिए मैं इस बात पर ध्यान नहीं दे रहा हूं कि कोई कितनी बार असफल हुआ या कैसे, क्योंकि फिर हम उनकी बल्लेबाजी पर दबाव डालना शुरू कर देते हैं। लेकिन पिछले मैच को भी मुझे लगता है कि हमें सहजता से लेना चाहिए कि यह पिछले दो सालों में हमारा सबसे खराब मैच था, इसलिए ईमानदारी से कहूं तो हमें इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। विश्व कप में, खासकर हमारे सलामी बल्लेबाजों का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा जितना हम चाहते थे। कोटक ने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि टीम का हालिया प्रदर्शन उम्मीदों से कम रहा है, लेकिन व्यक्तिगत असफलताओं पर अत्यधिक ध्यान देने से अनावश्यक दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने तैयारी और रणनीतिक योजना के महत्व पर जोर दिया, साथ ही विपक्षी गेंदबाजी रणनीतियों का विश्लेषण करने की बात कही ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि टीम शेष मैचों में प्रभावी ढंग से अनुकूलन और प्रतिक्रिया कर सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

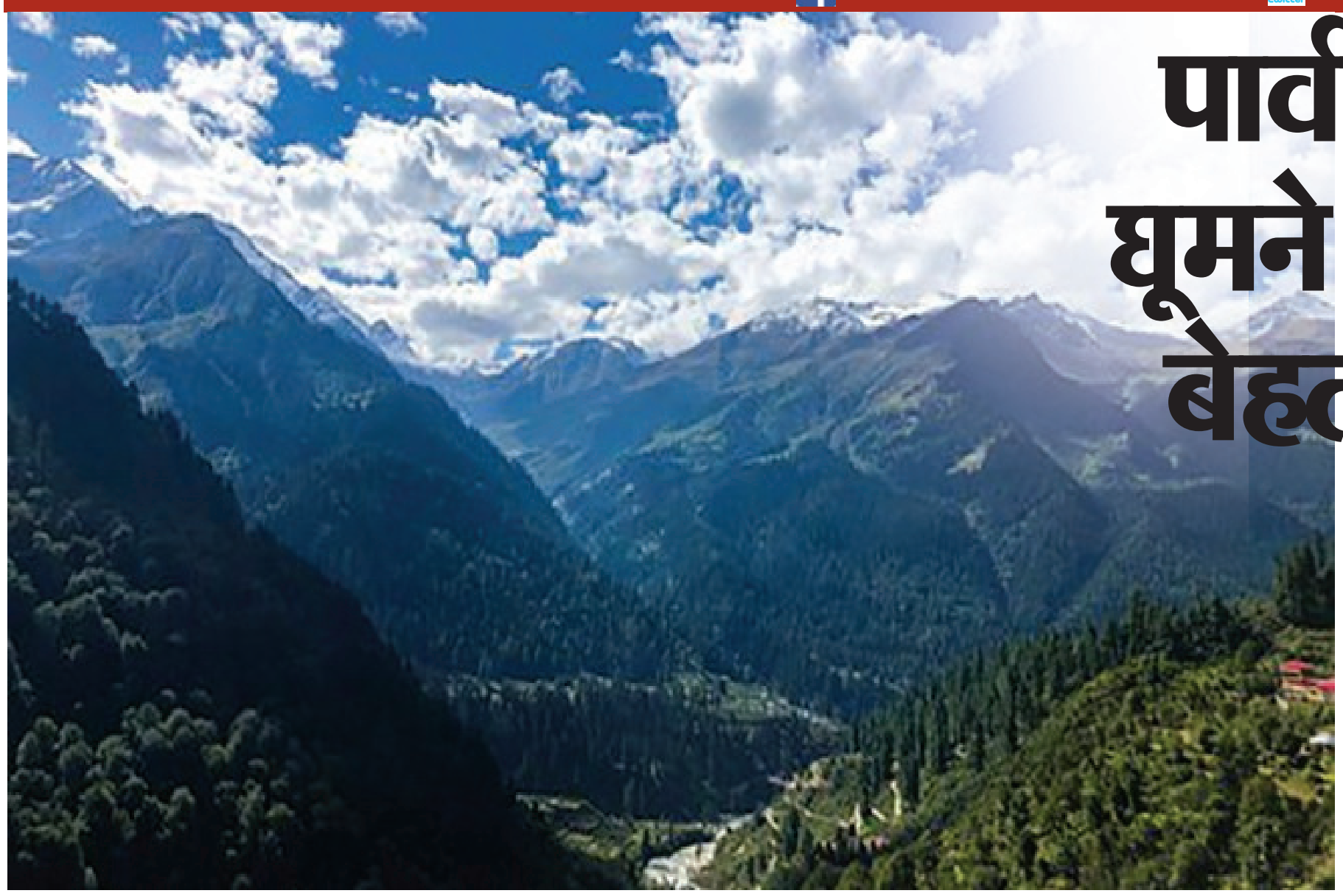

पार्वती घाटी में घूमने की हैं कई बेहतरीन जगहें

पार्वती घाटी के दूर के छोर पर स्थित, तोश को सुंदर घाटी का अंतिम गाँव माना जाता है जो हिप्पी और साहसिक उत्साही लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय है। तोश की सड़क लंबी और घुमावदार है। तोश अन्य शहरों के विपरीत है जो मणिकरण या कसोल जैसे पार्वती नदी के साथ स्थित हैं।

भारत अपनी भौगोलिक विविधता के लिए जाना जाता है और यही कारण है कि यहां के हर राज्य में आपको प्रकृति का एक अलग सौंदर्य देखने को मिलेगा। ऐसा ही एक स्थान हिमाचल प्रदेश में भी स्थित है। भुंतर से स्पीति तक फैली, पार्वती घाटी हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में स्थित है। घाटी के पास घूमने के लिए कई आकर्षक स्थान हैं। रुद्र-नाग, सर्प के आकार का झरना, खिरगंगा के देवदार के जंगल जहाँ भगवान शिव का ध्यान किया जाता है, पांडु पुल का चट्टान का निर्माण और पिन-पार्वती दर्रा कुछ लोकप्रिय पर्यटन आकर्षण हैं। पिन वैली नेशनल पार्क एक अन्य पर्यटक आकर्षण है और यह हिम तेंदुए सहित वन्यजीवों की आबादी के लिए जाना जाता है। तो चलिए आज हम आपको पार्वती घाटी के आसपास घूमने की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बता रहे हैं-

कसोल

हिमाचल प्रदेश में मिनी इज़राइल के रूप में जाना जाता है, कसोल पार्वती घाटी में एक हिल स्टेशन है। यह कुल्लू से 42 किमी पूर्व में 1640 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। कसोल अपनी सुंदर घाटी, पहाड़ों और महान जलवायु के कारण पूरे वर्ष बैकपैकर्स, ट्रेकर्स और प्रकृति के प्रति उत्साही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर मौजूद कैफे और रेस्तरां स्थानीय व्यंजनों के साथ इजरायल के व्यंजन परोसते हैं। कसोल में पार्वती नदी सफेद पानी राफ्टिंग के लिए आदर्श है। कसोल में पूरे साल सुखद मौसम रहता है। कसोल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से मई तक है।

तोश

पार्वती घाटी के दूर के छोर पर स्थित, तोश को सुंदर घाटी का अंतिम गाँव माना जाता है जो हिप्पी और साहसिक उत्साही लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय है। तोश की सड़क लंबी और घुमावदार है। तोश अन्य शहरों के विपरीत है जो मणिकरण या कसोल जैसे पार्वती नदी के साथ स्थित हैं। हालाँकि कुछ हद तक इसका व्यवसायीकरण हो गया है, फिर भी सड़कें, दुकानें और घर समान हैं। आप दिन में अपने चारों ओर बर्फ से ढके पहाड़ों और ग्लेशियरों को देख सकते हैं और रात में आकाश में फैले मिल्की वे को देख सकते हैं। या आप पास के ट्रेकिंग ट्रेल्स पर घूमने जा सकते हैं।

रसोल

पार्वती घाटी के लोकप्रिय शहर कसोल से लगभग 4 किमी की दूरी पर स्थित, रशोल या रसोल एक गाँव है जो तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है। पार्वती नदी की भीड़ से दूर, रसोल पहाड़ों में ऊंचे स्थान पर स्थित है, जो समुद्र तल से लगभग 3,000 मीटर की ऊंचाई पर है।

एडवेंचर्स प्लेसेस पर घूमना लगता है अच्छा तो शादी से पहले एक बार इन जगहों पर जरूर जाएं

भारत एक टूरिस्ट फ्रेंडली देश है। यहां अंतरराष्ट्रीय से लेकर घरेलू पर्यटकों के देखने व घूमने के लिए काफी कुछ है। फिर भले ही आप प्रकृति प्रेमी हों या कुछ वक्त शांत माहौल में खुद के साथ बिताना चाहते हैं। आपको बीचेस पर घूमना पसंद हो या फिर कुछ रोमांचक करना, भारत में आपको हर तरह की एक्टिविटी करने का मौका मिलेगा। आज इस लेख में हम आपको भारत की कुछ एडवेंचर्स जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप भरपूर मौज-मस्ती करके एक नया एक्सपीरियंस ले सकते हैं। तो चलिए जानते हैं भारत की कुछ एडवेंचर्स प्लेसेस के बारे में-

ऋषिकेश

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। आप गंगा नदी में राफ्टिंग, रॉक एंड क्लिफ चढ़ाई जैसी गतिविधियां कर सकते हैं, पास के जंगल में एक सर्वाइवल कैंप में भाग ले सकते हैं या बंजी जंपिंग भी कर सकते हैं।

लद्दाख

लद्दाख को कई मठों की भूमि के रूप में जाना जाता है। यह शहर भारत में सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित है। यहां के आसपास की भूमि की स्थलाकृति, ट्रेकिंग और राफ्टिंग के लिए एक आदर्श स्थान है। लद्दाख की प्रसिद्ध चदर ट्रेक, जो एक जमी हुई नदी पर एक ट्रेक है, यहाँ होता है। इसके अलावा, आप खूबसूरत ज़ांस्कर घाटी में राफ्टिंग कर सकते हैं।

गुलमर्ग

गुलमर्ग जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित है। यहां पर आने के बाद आपको स्विट्जरलैंड के एक विशिष्ट गांव की याद जरूर आएगी। पूरा शहर एक उच्च ऊँचाई पर स्थित है और भारी बर्फबारी का सामना करता है। यहां प्राप्त बर्फबारी होने के कारण, हेलि-स्कीइंग यहां का एक लोकप्रिय रोमांचक खेल है। हेलि-स्कीइंग में स्की पर हेलीकॉप्टर से कूदना और कठोर ठंडी हवाओं का सामना करना शामिल है।

मनाली

मनाली उत्तरी राज्य हिमाचल प्रदेश में स्थित एक टाउनशिप है और एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है। मनाली में आपको कई एडवेंचर्स एक्टिविटी जैसे पार्वती घाटी में ट्रैकिंग आदि करने का मौका मिलेगा। हालांकि, यहां सबसे प्रसिद्ध रोमांचक गतिविधियों में से एक बाइकिंग करना है। मार्ग आपको मनाली में स्थित विभिन्न गाँवों और इसके आसपास के इलाकों में ले जाएंगे। इस दौरान आपको कुछ सुंदर परिदृश्यों से गुज़रना होगा और वास्तव में आप इस जगह का अनुभव कर सकते हैं।

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

पुदुचेरी में यह जगह करवाएंगी आपको एक अलग अनुभव

तमिलनाडु राज्य का पुदुचेरी शहर कई मायनों में देश के अन्य शहरों से काफी अलग है। दरअसल, तमिलनाडु के पुदुचेरी में करीबन 300 साल तक फ्रांसीसी अधिकार रहा, जिसका व्यापक प्रभाव इस शहर पर पड़ा। आज भी पुदुचेरी में आपको फ्रांसीसी वास्तुशिल्प और संस्कृति की छटा दिखेगी। इतना ही नहीं, यहां का प्राकृतिक सौंदर्य तो अनुपम है ही, साथ ही इसका अपना एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। घुमक्कड़ी के शौकीन लोगों को एक बार इस शहर का भी दौरा करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुदुचेरी में घूमने लायक कुछ अच्छी जगहों के बारे में बता रहे हैं-

गिंगी किला

पुदुचेरी में घूमने के लिए गिंगी किला सबसे अच्छे स्थानों में से एक है। किले को 1921 में एक राष्ट्रीय स्मारक के रूप में घोषित किया गया है। एक अद्वितीय वास्तुशिल्प उपलब्धि होने के अलावा यह राज्य के कुछ महत्वपूर्ण किलों में से एक है। इतिहास और वास्तुकला प्रेमियों को पुदुचेरी में छुट्टियों में इस जगह पर एक बार जरूर जाना चाहिए।

श्री गोकिलम्बल थिरुक्मेश्वर मंदिर

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, मंदिर में एक विशाल 15 मीटर लंबा मंदिर रथ है जो आम तौर पर ब्रह्मोत्सवम के दौरान एक जुलूस पर निकाला जाता है, जो मूल रूप से पुदुचेरी का वार्षिक उत्सव है। यह 2 दिनों में पुदुचेरी में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

जवाहर टॉय म्यूजियम

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, जवाहर टॉय म्यूजियम एक डॉल हाउस है, जिसमें विभिन्न भारतीय राज्यों से लाए गए 140 से अधिक डॉल हैं। जवाहर टॉय म्यूजियम मुख्य शहर में, पुराने प्रकाश स्तंभ पर स्थित है, जो गांधी मैदान के पास है। इस संग्रहालय में कुछ दुर्लभ सजावटी गुड़िया और खिलौने हैं। यह केवल बच्चों और स्कूल के छात्रों को ही नहीं, बल्कि हर आंगतुक को एक आनंदमय अनुभव प्रदान करते हैं।

चुन्नमबार बोट हाउस

पुदुचेरी के प्राचीन बैकवाटर पर नाव की सवारी करके आप यकीनन खुद को प्रकृति के करीब पाएंगे। चुन्नमबार बोट हाउस प्रकृति प्रेमियों के लिए यकीनन एक बेहतरीन जगह है, जहां पर आप न केवल नाव की सवारी कर सकते हैं, बल्कि आश्चर्यजनक प्राकृतिक स्थानों का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

सीता कल्चरल सेंटर

पुदुचेरी में सीता कल्चरल सेंटर एक बहुत प्रसिद्ध फ्रेंको-भारतीय सांस्कृतिक केंद्र है और पुदुचेरी में घूमने के लिए कई स्थानों में से एक है। कैंडप्पा मुदलियार स्ट्रीट पर स्थित, यह पुदुचेरी के सबसे बेहतरीन पर्यटक आकर्षणों में से एक है। यहां पर इंडियन कुकिंग, कोलम लर्निंग, आयुर्वेदिक मेडिसिन, योगा, पिलेट्स, और तमिल भाषा से, विभिन्न दिलचस्प मल्टीपल और सिंगल सेशन क्लास हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अरुणाचल प्रदेश की 3 महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी, आरोपी कपल न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश की 3 महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपी रूबी जैन और उसके पति हर्ष सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को एससी/एसटी कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है। हाईकोर्ट ने कपल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। इसके पहले मंगलवार को हर्ष सिंह ने कहा कि हम शर्मिंदा हैं। ये सब कुछ हीट ऑफ द मोमेंट में हो गया। हर्ष ने कहा कि मामले में हम दिल्ली पुलिस का पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उनका ऑफिस पहले दिन से ही पीड़ितों और दिल्ली पुलिस के लगातार संपर्क में है। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि नॉर्थईस्ट के लोगों के साथ गलत व्यवहार का मामला खुद बहुत गंभीरता से लेते हैं। मामले में गिरफ्तारियां की गई हैं। दिल्ली में नॉर्थईस्ट के लोगों के खिलाफ किसी भी तरह के दुर्व्यवहार को अधिकारी गंभीरता से लेते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं खुद फॉलो-अप कर रहा हूं। हम सख्त कानूनी कार्रवाई कर रहे और सबक सिखाएंगे कि नॉर्थईस्ट के लोगों के साथ बुरा बर्ताव नहीं होना चाहिए।

बीजेपी के वरिष्ठ विधायक बसनगौड़ा पाटिल के खिलाफ हेट स्पीच का मामला दर्ज

यादगीर (एजेंसी)। कर्नाटक के यादगीर जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल फिर विवादों में हैं। पुलिस ने बताया कि शिवाजी जयंती समारोह के दौरान कथित तौर पर हेट स्पीच (नफरत फैलाने वाला भाषण) देने के आरोप में उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। पुलिस ने बताया कि जिले के गुरुमठकल कस्बे में शिवाजी जयंती के मौके पर एक भव्य जुलूस के बाद आयोजित कार्यक्रम में विधायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और तभी यह घटना हुई। प्राथमिकी के अनुसार, यतनाल ने अपने भाषण के दौरान कथित तौर पर कई विवादास्पद टिप्पणियां कीं। उन्होंने एक विशेष समुदाय को निशाना बनाकर एक हिंदी कविता उद्धृत की और महात्मा गांधी तथा जवाहरलाल नेहरू के बारे में भी कहा। उन्होंने कथित तौर पर एक विशेष समुदाय को कथित तौर पर निशाना बनाकर ''लव जिहाद'' का भी जिक्र किया और कुछ ऐतिहासिक हस्तियों पर अपमानजनक टिप्पणी की। पुलिस ने बताया कि इस भाषण के बाद समाचार और सोशल मीडिया मंचों पर तीखी प्रतिक्रिया आई, जिसमें कई लोगों ने नेता पर सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का आरोप लगाया। भाषण की वीडियो रिकॉर्डिंग की जांच और उसकी प्रतिलिपि तैयार करने सहित प्रारंभिक जांच के बाद जिला पुलिस कार्यालय से कानूनी राय मांगी गई।

वंदे भारत की चपेट में आने से पति-पत्नी और बच्ची की मौत

पाकुड़ (एजेंसी)। पाकुड़-रामपुरहाट रेलखंड के बीच नवीनगर स्टेशन के समीप एक हृदयविदारक हादसे में पति-पत्नी और उनके मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हुई है। तीनों की जान वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से चली गई। जानकारी के अनुसार, देर रात तेज रफ्तार से गुजर रही ट्रेन की चपेट में अचानक तीन लोग आ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही तीनों ने दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची गई है। पुलिस ने तीनों शवों को अपने कब्जे में ले लिया है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान राजा पाड़ा के चंदन सरदार (35), उनकी पत्नी रिम्पा (25) और बेटी अर्पिता के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया, हमने शवों को अपने कब्जे में ले लिया है, जिन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना मंगलवार रात को ईस्टर्न रेलवे के हावड़ा डिवीजन में नगरनबी रेलवे स्टेशन के पास हुई। जब न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस आ रही थी, तब परिवार रेलवे ट्रैक पार कर रहा था।

देश में करीब 90 प्रतिशत हिंदू मछली और मीट खाते... एआईएमआईएम नेता का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में शिक्षण संस्थानों और धार्मिक स्थलों के पास खुली मीट मछली की दुकानों पर बैन के मामले को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। इस बैन पर एआईएमआईएम के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जमई ने कहा, यह मुख्य रूप से साफ-सफाई से जुड़ा मामला है। लेकिन अगर कोई मछली और मीट पर नाराजगी जाहिर करता है, तब मैं बताना चाहूंगा कि देश में लगभग 90 प्रतिशत हिंदू मछली और मीट खाते हैं। उन्होंने कहा, यह एक राजनैतिक एजेंडा है, प्रोटीन कैसे मिलेगा बच्चों को? आप अमेरिका में देखिए, दुनिया भर के तमाम विश्वविद्यालयों में बच्चों को अंडे दिए जाते हैं। कौन कहता है कि गंदगी करते हैं, उसके लिए कानून बनाए। उन्होंने कहा, यह मामला साफ-सफाई का है, साफ-सफाई के लिए हम भारतीय वैसे ही बदनाम है, अगर कोई इस मामले को मांस मछली तक लेकर जाएगा जो देश के 90 फीसदी हिंदू भाई मांस, मछली और अंडा खाते हैं। होली में आप क्यों नहीं बोलते हैं जो लंबी-लंबी लाइन लगती है। खुद के इनके बच्चे जो अमेरिका में पढ़ते हैं, वे क्या खाते हैं, पूछिए इनसे। इस मामले की अखिल भारतीय इमाम संघ के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने आलोचना की है। उन्होंने कहा कि बिल्कुल यह अच्छी बात है कि धार्मिक स्थल और शिक्षण संस्थानों के आसपास मीट-मछली की दुकानें नहीं होनी चाहिए, लेकिन हमें इसका भी ध्यान रखना चाहिए कि संविधान में खाने के अधिकार का भी प्रावधान है, जिसके तहत भारतीयों को कुछ भी खाने का अधिकार है।

यूपी में पीसीएस अधिकारी ने मांगी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति, स्वास्थ्य बताया कारण

लखनऊ (एजेंसी)। पीसीएस अधिकारी सुबोध मणि शर्मा ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति मांगी है। उन्होंने इसके लिए स्वास्थ्य और पारिवारिक कारणों का हवाला दिया है। वे इस समय प्रतापगढ़ रानीगंज तहसील में उपजिलाधिकारी के पद पर तैनात हैं। उन्हें साल 2024 में तहसीलदार से उपजिलाधिकारी के पद पर पदोन्नति मिली थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नियुक्ति विभाग को वीआरएस के लिए भेजे प्रार्थना पत्र में सुबोधमणि शर्मा ने स्वास्थ्य और पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए अब नौकरी नहीं कर पाने की बात लिखी है। उन्होंने आवेदन पर विचार करते हुए जल्द वीआरएस देने की मांग की है। नियुक्ति विभाग उनके प्रार्थना पत्र पर विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि जल्द ही उनके वीआरएस स्वीकृत हो जाएगा।

राज्यसभा चुनाव में इस बार सहयोगियों के सहारे कांग्रेस... मिलकर बना रही समीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होने वाले है। कांग्रेस ने कई राज्यों में सहयोगी दलों के साथ तालमेल बनाकर अपनी रणनीति बना ली है। तमिलनाडु में डीएमके के समर्थन से पवन खेड़ा का नाम आगे बढ़ाया गया है, जबकि बिहार और तेलंगाना में एक सीट पर मुकाबला दिलचस्प हो गया है।

इन चुनावों में महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6, पश्चिम बंगाल और बिहार की 5-5, ओडिशा की 4, असम की 3, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की 2-2 तथा हिमाचल की 1 सीट पर मतदान होना है। विधानसभा की मौजूदा संख्या के आधार पर अलग-अलग राज्यों में अलग समीकरण बनाते दिख रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस ने डीएमके के साथ एक सीट पर अपने उम्मीदवार के तौर पर पवन खेड़ा का नाम आगे कर दिया है। कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की मुलाकात में इस पर सहमति बन गई है। मौजूदा विधानसभा संख्या के आधार पर डीएमके चार सीटें जीत सकती है और

एआईएडीएमके एक सीट हासिल कर सकती है, जबकि एक सीट पर मुकाबला संभव है।

बिहार की पांच सीटों में एनडीए के पास 202 विधायक हैं, जिससे एनडीए चार सीटों पर जीत दर्ज कर सकता है। पांचवीं सीट के लिए अतिरिक्त समर्थन की जरूरत होगी। महागठबंधन के पास कुल 35 विधायक हैं और महागठबंधन को अन्य दलों का समर्थन जुटाना होगा। एआईएमआईएम के 5 विधायक और बसपा के 1 विधायक की भूमिका अहम हो जाती है।

वहीं तेलंगाना में दो सीटों पर चुनाव होना है। एक सीट जीतने के लिए 41 विधायकों का समर्थन चाहिए है। कांग्रेस के पास 66 विधायक है और सीपीआई का एक विधायक समर्थन में है। बीआरएस के पास आधिकारिक तौर पर 37 विधायक है, जबकि भाजपा के 8 और एआईएमआईएम के 7 विधायक हैं। बीआरएस द्वारा उम्मीदवार उतारने से मुकाबला त्रिकोणीय हुआ है। कांग्रेस की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी का नाम फिर से चर्चा में आ गया है।

हिमाचल प्रदेश की सीट के लिए कांग्रेस ने अभी उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। पार्टी संभावित नामों पर में आनंद शर्मा, प्रतिभा सिंह के नाम शामिल हैं। पिछली बार क्रॉस वोटिंग के कारण कांग्रेस उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा था।

वहीं पश्चिम बंगाल की पांच सीटों में तृणमूल कांग्रेस चार सीटों पर दावा है, जबकि एक सीट पर मुकाबला संभव है। यह सीट फिलहाल वाम दल के पास है लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में वाम दलों की बुरी हार के बाद भाजपा इस पर बढ़त बना सकती है। ओडिशा की 4 सीटों में से बीजेपी 3 सीटों पर दावा कर रही है, जबकि बीजेडी एक सीट पर चुनाव लड़ेगी। असम की 3 सीटों में बीजेपी 2 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि एक सीट पर कांग्रेस और एआईयूडीएफ साथ मिलकर उम्मीदवार उतार सकते हैं। हरियाणा की 2 सीटों और छत्तीसगढ़ की दो सीटों पर भी कांग्रेस और बीजेपी के बीच मुकाबला तय माना जा रहा है।

भगवान वेंकटेश के लड्डू प्रसाद की जांच करेगी इलेक्ट्रॉनिक जीभ और इलेक्ट्रॉनिक नाक

-तिरुपति में बन रही अत्याधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला

अमरावती (एजेंसी)। देश के प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डू प्रसाद में मिलावट का मामला सामने के बाद ऐसा भविष्य में नहीं हो इसके लिए तैयारी की जा रही है। इसी कड़ी में वेंकटेश्वर मंदिर में प्रसाद की सामग्री जांच के लिए अत्याधुनिक खाद्य प्रयोगशाला स्थापित हो रही है। इसके बारे में जानकारी देकर आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री वाई सत्य कुमार यादव ने कहा कि तिरुपति जिले के तिरुमाला में बन रही अत्याधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला अगले महीने से काम करना शुरू करेगी। खाद्य मंत्री ने परियोजना की प्रगति की समीक्षा बैठक के दौरान यह बयान दिया। आंध्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के बीच अक्टूबर 2024 में हस्ताक्षरित समझौते के बाद प्रयोगशाला का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना के लिए करीब 25 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे। आंध्र सरकार में मंत्री यादव ने बताया कि इस प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों की जांच के लिए अत्याधुनिक उपकरण लगाए जा रहे हैं, लेकिन मुख्य उपकरण इलेक्ट्रॉनिक जीभ और इलेक्ट्रॉनिक नाक होगी। जिन्हें फ्रांस से 35 लाख रुपये की लागत से आयात किया गया है। मंत्री यादव ने बताया कि यह उपकरण घी की शुद्धता, स्वाद, गंध और बनावट में होने वाले सूक्ष्म बदलावों का भी पता लगा सकते है। यह प्रसिद्ध लड्डू और अन्य प्रसाद बनाने में इस्तेमाल होने वाले घी की गुणवत्ता को उच्चतम स्तर पर बनाए रखने के प्रयासों का हिस्सा है। प्रयोगशाला में कच्चे माल की ताजगी का पता लगाने वाले सेंसर और माइक्रोबायोलॉजी परीक्षकों सहित दर्जनों अन्य उपकरण भी स्थापित किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रयोगशाला में परीक्षण से यह सुनिश्चित होगा कि भक्तों को परोसे जाने वाले लड्डू और प्रसाद उच्चतम गुणवत्ता के हों। लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और अगले महीने से परिचालन शुरू हो सकता है।

एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 10वीं या माध्यमिक परीक्षा का एडमिट कार्ड पहचान के रूप में मान्य नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान 10वीं या माध्यमिक परीक्षा का एडमिट कार्ड सिर्फ पहचान के रूप में मान्य नहीं होगा। इन्हें सिर्फ सहायक (पूरक) दस्तावेज माना जाएगा। एडमिट कार्ड तभी मान्य होगा जब उसके साथ मार्कशीट भी हो। वरिष्ठ वकील डीएस नायडू ने सुप्रीम कोर्ट के सामने मामला उठाकर पूछा था कि क्या क्लास 8वीं की परीक्षा का एडमिट कार्ड अपने आप में पहचान पत्र रूप में इस्तेमाल हो सकता है। इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि क्लास 8वीं की मार्कशीट पहचान सत्यापन के लिए मान्य दस्तावेजों में शामिल है। एडमिट कार्ड सिर्फ उसी की पुष्टि के लिए जोड़ा जा सकता है। एडमिट कार्ड सिर्फ सहायक कागज है, यह अपने दम पर पहचान का आधार नहीं बन सकता।

बंगाल सहित 12 राज्यों में एसआईआर के फेज 2 के तहत वोटर वेरिफिकेशन की प्रक्रिया जारी है। यहां पर 28 फरवरी को फाइनल मतदाता सूची प्रकाशित होगी। बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच खींचतान चल रही है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट मामले पर सुनवाई कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने 24 फरवरी 2026 के अपने आदेश का हवाला देकर कहा कि जो दस्तावेज अभी तक अपलोड नहीं हुए हैं और 15 फरवरी से पहले मिले थे, उन्हें संबंधित ईआरओ और एईआरओ गुरुवार शाम 5 बजे तक न्यायिक अधिकारियों के सामने पेश करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जन्मतिथि और पिता का नाम साबित करने के लिए मार्कशीट के साथ एडमिट कार्ड दिया जा सकता है। लेकिन एडमिट कार्ड सिर्फ मान्य नहीं होगा।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उठाया सवाल... 247 से अधिक विदेशी यात्राएं राहुल गांधी ने क्यों की

नेहरू ने भारत के अधिकार को चीन को सौंप दिया

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नेहरू-गांधी परिवार पर गंभीर आरोप लगा दिए है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन ने कहा कि यह समझौता मिशन की कहानी है, जिसमें देश के हितों से समझौता कर परिवार के हितों को प्राथमिकता दी गई। नवीन ने कहा कि एक वक्त जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि 45 करोड़ लोग उनके लिए एक जिम्मेदारी हैं। उन्होंने कहा, 1954 में किस प्रकार नेहरू ने बिना किसी रिवॉर्ड के तिब्बत में भारत के अधिकार को चीन को सौंप दिया। इतना ही नहीं उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर रक्षा सौदों के जरिए निजी बैंक खाते भरने के आरोप लगाए। नवीन ने राजीव गांधी के कार्यकाल का जिक्र कर कहा कि तब रक्षा सेवाओं का उपयोग निजी वित्तीय हितों को मजबूत करने के लिए हुआ।

नितिन नवीन ने राहुल गांधी को विदेशी शक्तियों की कठपुतली करार देकर कहा कि कांग्रेस का चुनावी इतिहास सीआईए की फंडिंग से दागदार रहा है। बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने सोनिया गांधी के राजनीतिक जीवन पर भी सवाल उठते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 2004 से 2014 के बीच राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के माध्यम से उन्होंने सुपर प्रधानमंत्री की तरह काम किया और मनमोहन सरकार के साथ एक समानांतर सरकार चलाई। उन्होंने दावा किया कि इसी अवधि में राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी सरकार और निवेशक जॉर्ज सोरोस के नेटवर्क से बड़ी फंडिंग मिली।राहुल गांधी को लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें नकारात्मक राजनीति का चेहरा माना जाता है। उनके अनुसार राहुल गांधी ने 247 से अधिक विदेशी यात्राएं कीं, जिसमें से कई में सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने सवाल उठाया कि इन यात्राओं के पीछे क्या उद्देश्य था। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशी नेताओं, जैसे इल्हान ओमर और जॉर्ज सोरोस से मुलाकातें भी इसी संदर्भ में देखी जानी चाहिए। नितिन नवीन ने कहा कि आज हमारे देश का युवा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहता है और यदि किसी भी तरह से उन्हें गुमराह करने की कोशिश होती है, तब यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने दावा किया कि जनता अब इस तथाकथित समझौता मिशन को समझ चुकी है और देशहित को सर्वोपरि मानती है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रहित के मुद्दों पर जनता सजग है और भविष्य में वही नेतृत्व स्वीकार करेगी जो देश के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता हो।

कांग्रेस का 'शर्टलेस' प्रदर्शन... वैश्विक मंच पर भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और प्रल्हाद जोशी ने राहुल गांधी को लताड़ा

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन को लेकर सियासी घमासान तेज हुआ है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भारतीय युवा कांग्रेस के 'शर्टलेस' विरोध प्रदर्शन की कड़ी आलोचना कर इस प्रदर्शन को वैश्विक मंच पर भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश बताया। उन्होंने कई पोस्ट कर कांग्रेस और विशेष रूप से राहुल गांधी पर निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री गोयल ने आरोप लगाया कि एआई शिखर सम्मेलन जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन में बिना शर्ट पहने प्रदर्शनकारियों को भेजना देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने जैसा है। उन्होंने इस हरकत को कांग्रेस की ÷समझौतावादी विरासत÷ का विस्तार बताया और पूर्व कांग्रेस सरकारों के फैसलों का हवाला दिया। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता से जुड़े कथित प्रस्ताव, राजीव गांधी के समय हुए बोफोर्स तोप सौदे विवाद और इंदिरा गांधी के दौरान कच्चातीवू समझौते का उल्लेख कर कांग्रेस पर राष्ट्रीय हितों से समझौते के आरोप लगाए।

वहीं केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने भी राहुल गांधी की 2024 की अमेरिका यात्रा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र पर चर्चा के नाम पर हुई इस यात्रा में इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल से जुड़े कार्यकर्ताओं और अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस से कथित रूप से जुड़े नेटवर्क के लोगों से मुलाकात ने संदेह पैदा किया। केंद्रीय मंत्री जोशी ने दावा किया कि इन मुलाकातों में कतर की कथित मध्यस्थ भूमिका रही। दूसरी ओर, भारतीय युवा कांग्रेस ने अपने विरोध का बचाव करते हुए कहा कि उनके कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे, जिन पर एआई समिट में देश की पहचान से समझौता करने का आरोप लगाया गया। भारत मंडपम में हुए इस प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने अपनी शर्ट उतारकर असहमति जताई, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इस पूरे घटनाक्रम ने भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति को एक बार फिर तेज कर दिया है, जहां दोनों दल राष्ट्रीय हित, पारदर्शिता और वैश्विक छवि के मुद्दे पर आमने-सामने हैं।

रोहित पवार का बड़ा आरोप, मुंबई पुलिस ने अजित विमान हादसे पर एफआईआर से किया इंकार

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी शरद गुट के नेता और स्व.अजित पवार के भतीजे रोहित पवार ने अजीत दादा के विमान हादसे के मामले में एफआईआर दर्ज ना करने को लेकर गंभीर आरोप लगाए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाने पहुंचे थे, लेकिन उनका दावा है कि मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिकायत दर्ज करने से इंकार किया।

एनसीपी नेता पवार ने बताया कि पुलिस स्टेशन में कनिष्ठ अधिकारी और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मौजूद थे, जिनके पास एफआईआर दर्ज करने का अधिकार है। बातचीत के बाद अधिकारी लैपटॉप लेकर आए और एफआईआर प्रिंट करने की प्रक्रिया शुरू की। तभी अतिरिक्त डीसीपी स्तर के एक वरिष्ठ अधिकारी वहां पहुंचे और एफआईआर दर्ज करने से इंकार किया। रोहित पवार ने कहा कि नए कानून के तहत किसी भी संज्ञेय अपराध में एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य है

और यह प्रत्येक नागरिक का अधिकार है।

पुलिस स्टेशन जाने से पहले उन्होंने कहा था कि प्रस्तावित एफआईआर कई पक्षों के खिलाफ है, जिसमें वीएसआर के सहयोगी,डीजीसीए के संबंधित अधिकारी, उड़ान को मंजूरी देने वाली कंपनी एरो तथा राज्य सरकार से जुड़े एरो समूह के अधिकारी शामिल हैं। एक पांचवीं एफआईआर में नाम गोपनीय रखने की बात कही गई है, क्योंकि कुछ लोग आपराधिक साजिश मान रहे हैं। रोहित पवार ने वीएसआर कंपनी और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू के बीच कथित संबंधों पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि वीएसआर के भाजपा नेताओं, विशेषकर बीजेपी से जुड़े लोगों के साथ करीबी संबंधों के कारण सीधे कार्रवाई नहीं की गई।

भारतीयों में बढ़ा परोपकार का जज्बा: 540 अरब डॉलर पहुंचा दान का बाजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत में परोपकार और दान देने की संस्कृति न केवल समृद्ध हो रही है, बल्कि यह एक विशाल बाजार के रूप में उभर रही है। एक नवीनतम अध्ययन के अनुसार, देश में परोपकार के बाजार का आकार वर्ष 2023 के 370 अरब डॉलर से प्रभावशाली बढ़त दर्ज करते हुए अब 540 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यह वृद्धि न केवल आर्थिक संपन्नता को दर्शाती है, बल्कि समाज के प्रति व्यक्तिगत जिम्मेदारी के बढ़ते भाव को भी रेखांकित करती है। अशोक विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर सोशल इम्पैक्ट ऐंड द फिलैंथ्रॉपी (सीएसआईपी) द्वारा हाऊ इंडिया गिव्स- 2025-26 शीर्षक से जारी रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ है कि भारत में दान का प्रवाह केवल बड़े कॉरपोरेट घरानों की सीएसआर गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आम घरों से आने वाले निरंतर और गुमनाम दान की बहुत बड़ी भूमिका है।

इस अध्ययन की सबसे प्रेरक बात यह है कि दान देने वालों में केवल अमीर तबका ही शामिल नहीं है, बल्कि सीमित संसाधनों वाले लोग भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि 8,000 रुपये प्रति माह से कम आय वाले परिवारों में भी दान करने की प्रवृत्ति निरंतर बनी हुई है। यहाँ तक कि 4,000 से 5,000 रुपये के न्यूनतम मासिक उपभोग स्तर वाले आधे परिवार भी नियमित रूप से दान करते हैं। जैसे-जैसे आय और उपभोग का स्तर बढ़ता है, दान में भागीदारी का यह स्तर 70 से 80 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। यह आंकड़ा इस धारणा को तोड़ता है कि परोपकार केवल विलासिता का हिस्सा है; यह भारतीय समाज की जड़ों में रची-बसी एक अनिवार्य आदत के रूप में उभरा है।

सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 68 प्रतिशत भारतीय किसी न किसी रूप में परोपकारी कार्यों से जुड़े हैं। इनमें से 48 प्रतिशत लोग वस्तु के रूप में दान करना पसंद करते हैं, जिसमें भोजन, कपड़े और अन्य आवश्यक घरेलू सामान शामिल हैं। वहीं, 44 प्रतिशत लोग नकद दान के माध्यम से मदद पहुंचाते हैं और 30 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो विभिन्न गैर-लाभकारी संस्थाओं या धार्मिक समूहों के साथ स्वयंसेवक के रूप में अपना समय और श्रम दान करते हैं। हालांकि धार्मिक संगठनों और जरूरतमंदों को प्रत्यक्ष रूप से की जाने वाली मदद अभी भी सबसे बड़ा हिस्सा है, लेकिन अब सामाजिक कारणों के लिए दान देने की प्रवृत्ति में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जो एक परिपक्व समाज का संकेत है। यह व्यापक सर्वेक्षण देश के 20 राज्यों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के 7,000 लोगों के बीच किया गया। इस अध्ययन का आधार राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के उपभोग डेटा को बनाया गया, जिससे रोजमर्रा के दानदाताओं का सटीक प्रोफाइल तैयार करने में मदद मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत जिस तरह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है और घरेलू उपभोग में वृद्धि हो रही है, आने वाले समय में रोजमर्रा के दान का यह क्षेत्र और अधिक संगठित और विस्तृत होगा। यह रिपोर्ट साबित करती है कि परोपकार का भारतीय मॉडल व्यक्तिगत करुणा और सामुदायिक जुड़ाव पर टिका है, जहाँ हर वर्ग अपनी क्षमता अनुसार समाज के उत्थान में योगदान दे रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के दक्षिणी मधेश प्रदेश में लगाए गए कर्फ्यू को हटाया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के दक्षिणी मधेश प्रदेश में तनाव के चलते लगाए गए कर्फ्यू को सोमवार को हटा दिया गया। रौतहट जिले में गोर नगरपालिका में शादी की झगड़े के बाद उत्पन्न तनाव के कारण शनिवार से लागू कर्फ्यू सोमवार सुबह 10 बजे हटाया गया। कर्फ्यू हटने के बाद बाजार, यातायात और शैक्षणिक संस्थान सामान्य रूप से खुल गए। राजनीतिक दलों ने शांति बनाए रखने और आपसी सम्मान के लिए जनता से अपील की। गोर में सोमवार सुबह शांति रैली आयोजित की गई। बीते घटनाओं में कम से कम आठ लोग घायल हुए थे, जिनमें दो पुलिसकर्मी भी शामिल थे। बिरगंज महानगर क्षेत्र के श्रीपुर इलाके में भी पार्किंग विवाद के चलते कर्फ्यू लगाया गया था, जिसे सोमवार शाम 4 :30 बजे हटाया गया। हालांकि, मंगलवार सुबह 8 बजे तक अतिरिक्त प्रतिबंध जारी रहेंगे।

पाकिस्तान : सोशल मीडिया पोस्ट के आरोप में कनाडाई नागरिक गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राष्ट्रीय साइबर क्राइम जांच एजेंसी (एनसीसीआईए) ने कनाडाई नागरिक हमजा अहमद खान को गिरफ्तार किया है, जो राज्य संस्थाओं और सुरक्षा बलों के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल रहा था। खान, जो फरवरी 13 को पीएचडी शोध के लिए पाकिस्तान आए थे, को फरवरी 19 से लापता बताया जा रहा था। एनसीसीआईए ने अदालत में प्रस्तुत करते हुए उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा। एजेंसी के अनुसार, उनके सोशल मीडिया अकाउंट से गलत जानकारी और अशांति फैलाने वाले संदेश प्रसारित किए जा रहे थे, जिससे पाकिस्तान की आंतरिक और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचने का खतरा था।

बलूचिस्तान में बिगड़ते हालात, 82 लापता 12 नागरिकों की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलोच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग ने आरोप लगाया गया है कि नए साल की शुरुआत बलूचिस्तान में लगातार गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन के साथ हुई। जनवरी में जबरन गायब होने के 82 मामले व 12 हत्याएं दर्ज हुईं। बलूचिस्तान के अलग-अलग जिलों के साथ कराची, सिंध में भी जबरन गायब होने और सरकारी संरक्षण में हत्या की कई घटनाएं हुई। इससे सुरक्षा और मानवाधिकार का माहौल बिगड़ रहा है।

पाकिस्तान : अर्धसैनिक बल पर क्वाडकॉप्टर से हमले, 5 सैनिक घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अर्द्धसैनिक बल फेडरल कांस्टेबुलरी (एफसी) के मुख्यालय पर क्वाडकॉप्टर ड्रोन से किए गए हमले में एफसी के पांच जवान घायल हो गए। पुलिस ने कहा, करक जिले में स्थित एफसी मुख्यालय को निशाना बनाकर हमला किया गया। इमारत पर हमला करने के लिए क्वाडकॉप्टर का इस्तेमाल किया गया। घायलों को अस्पताल ले जा रही एम्बुलेंस पर भी चरमपंथियों ने गोलियां चलाईं, जिसमें दो बचाव अधिकारी घायल हो गए।

नीदरलैंड : जेटेन के नेतृत्व वाली नई गठबंधन सरकार ने ली शपथ

एम्सटर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड के राजा विलेम एलेक्जेंडर ने रॉब जेटेन के नेतृत्व वाली नई अल्पमत गठबंधन सरकार को शपथ दिलाई। जेटेन (38) नीदरलैंड के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अल्पमत की वजह से उन्हें चार साल का कार्यकाल पूरा करने और विभिन्न विधेयकों को पारित कराने के लिए कई मोर्चों पर समझौता करना पड़ सकता है। जेटेन तीन दलों के गठबंधन का नेतृत्व करते हैं। गठबंधन में उनकी मध्यमार्गी डी-66 पार्टी, मध्य-दक्षिणपंथी व उदारवादी पार्टी शामिल हैं।

जाफना अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के विस्तार की तैयारी में श्रीलंका

जाफना, एजेंसी। श्रीलंका सरकार जाफना अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के विस्तार की योजना बना रही है। ऐसा इसलिए ताकि विदेशी पर्यटकों की बढ़ती संख्या को समायोजित किया जा सके और उत्तरी प्रांत में पर्यटन को बढ़ावा मिले। नागरिक उड्डयन मंत्री अनुर करुणाथिलका ने कहा कि पलाली स्थित हवाईअड्डे के रनवे को उन्नत कर बड़े यात्री विमानों की लैंडिंग संभव बनाई जाएगी। वर्तमान में यहां चेन्नई और त्रिची से प्रति सप्ताह 10 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित होती हैं, जो 70 सीटों वाले एटीआर-72 विमान हैं।

मेक्सिको- ड्रग माफिया की मौत से 20 राज्यों में हिंसा: 25 सैनिकों समेत 32 मौतें

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको में ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो की मौत के बाद सोमवार को भी हिंसक प्रदर्शन हुए। क्ष्ब्ष्ट के मुताबिक मेंचो के समर्थकों ने 20 राज्यों में हिंसा फैला दी। कई जगह रोडब्लॉक लगाए, गाड़ियों और 20 से ज्यादा सरकारी बैंक शाखाओं में आग लगा दी गई। जालिस्को में लॉकडाउन के हालात हैं। ये शहर फीफा 2026 के मेजबान शहरों में शामिल है। अलग-अलग शहरों में कम से कम 32 मौतें हुई हैं, जिसमें 25 सैनिक शामिल है। ऑपरेशन के दौरान सेना ने बख्तरबंद गाड़ियां और रॉकेट लॉन्चर सहित बड़ी संख्या में हथियार जब्त किए। दरअसल, मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। सेना के ऑपरेशन के दौरान वह घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा अन्य 8 अपराधी भी मारे गए।

मेक्सिको के रक्षा मंत्री रिकार्डो ट्रेविला के मुताबिक मेंचो की लोकेशन का पता उसकी गर्लफ्रेंड के जरिए चला। सेना उसे लंबे समय से ट्रैक कर रही थी।

गर्लफ्रेंड का पीछा कर मेंचो तक पहुंची थी सेना : ट्रेविला ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि खुफिया एजेंसियों ने एल मेंचो की गर्लफ्रेंड से जुड़े एक भरोसेमंद साथी की पहचान की थी। उसकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। इसी व्यक्ति ने एल मेंचो की प्रेमिका को जालिस्को के पास एक कंपाउंड में पहुंचाया था, जिसका पीछा करते-करते सेना कैंपस तक पहुंच गई। जब महिला वहां से निकली तो अधिकारियों को यकीन हो गया कि भारी सुरक्षा के बीच एल मेंचो कंपाउंड के अंदर ही मौजूद है।

इसके बाद सुरक्षाबलों ने तुरंत ऑपरेशन शुरू कर दिया और एक दिन बाद पूरे इलाके को घेर लिया। उन्होंने बताया कि सेना की घेराबंदी के दौरान मेंचो के वफादार बंदूकधारियों ने सेना पर फायरिंग शुरू कर दी। सेना ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें मेंचो घायल हो गया। उसके साथी उसे लेकर पास के जंगल में भाग गए। काफी मशक्कत के बाद सैनिकों ने उसे खोज निकाला। घायल माफिया को हेलिकॉप्टर से मेडिकल सेंटर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने और उसके दो बॉडीगार्ड ने दम तोड़ दिया।

136 करोड़ रुपए का इनामी था मेंचो : न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एल मेंचो, जालिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल (छ्ष्छ्हत) का प्रमुख था। जालिस्को कार्टेल मेक्सिको में ड्रग्स बनाने और बेचने, स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है। इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प काफी समय से मेक्सिको पर एल मेंचो पर एक्शन लेने का दबाव बना रहे थे।

पहले भी ऐसी हिंसक घटनाएं हुई मेक्सिको में पहले भी जब किसी बड़े कार्टेल नेता को पकड़ा गया या मारा गया है, तब सरकार और कार्टेल के बीच हिंसक टकराव हुआ है। कई बार गिरोह के अंदर ही सत्ता की लड़ाई छिड़ जाती है, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि एल मेंचो की मौत से पहले 2016 में सिनाओला कार्टेल के सरगना एल चापो की गिरफ्तारी और 2024 में अल मायो की गिरफ्तारी के वक्त भी देश में ऐसा ही हुआ था।

2019 में जब अल चापो के बेटे ओविदियो गुजमान को पकड़ा गया था, तब उसके गुर्गों ने कुलियाकान शहर को घंटों तक बंधक बना लिया था और सरकार को उसे छोड़ना पड़ा था। इसलिए अब भी डर है कि हालात और बिगड़ सकते हैं। अब यह इस बात पर निर्भर करेगा कि जालिस्को कार्टेल के पास नया नेता साफ तौर पर तय है या नहीं। अगर अंदरूनी लड़ाई शुरू हुई तो खून-खराबा और बढ़ सकता है।

20 बैंक फूंके, गर्लफ्रेंड से लोकेशन का पता चला

एपस्टीन मामले में ब्रिटेन पुलिस की दूसरी कार्रवाई, पूर्व राजदूत पीटर मैंडेलसन गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। एपस्टीन मामले में ब्रिटिश शाही परिवार से जुड़ी पहली गिरफ्तारी के बाद ब्रिटेन पुलिस ने दूसरी बड़ी कार्रवाई की है। ब्रिटेन की पुलिस ने एपस्टीन फाइल के खुलासों के बाद कदाचार के संदेह में अमेरिका में ब्रिटेन के पूर्व राजदूत पीटर मैंडेलसन को गिरफ्तार किया है। ब्रिटिश पुलिस ने यह गिरफ्तारी दोषी यौन अपराधी एपस्टीन से उनके संबंधों के खुलासे के बाद की गई। लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस फोर्स ने कहा कि 'अधिकारियों ने उत्तरी लंदन के एक पते से सार्वजनिक पद पर दुर्व्यवहार के संदेह में 72 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।' 72 वर्षीय मेंडेलसन को सितंबर 2025 में ब्रिटेन की राजनयिक सेवा में सबसे प्रतिष्ठित पद से बर्खास्त कर दिया गया था। इससे पहले उनसे जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी भी ली गई थी। ब्रिटिश पुलिस की प्रथा के अनुरूप मेंडेलसन का नाम नहीं लिया गया, लेकिन इस मामले में संदिग्ध की पहचान पहले ही मेंडेलसन के रूप में की जा चुकी है। पुलिस मैंडेलसन से उन दस्तावेजों के संबंध में पूछताछ कर रही है, जिनसे पता चलता है कि उन्होंने डेढ़ दशक पहले एपस्टीन को संवेदनशील सरकारी जानकारी दी थी। उन पर यौन दुर्व्यवहार का कोई आरोप नहीं है।

संवेदनशील सरकारी जानकारी साझा करने का आरोप : रिपोर्ट्स के मुताबिक, जांच इस महीने तब शुरू हुई जब अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े अतिरिक्त दस्तावेज जारी किए। इन फाइलों में ऐसे ईमेल होने का दावा किया गया है, जिनसे संकेत मिलता है कि 2009 में वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान व्यापार मंत्री रहते हुए, मैंडेलसन ने एपस्टीन के साथ बाजार-संवेदनशील सरकारी जानकारी साझा की थी। उस समय ब्रिटेन के प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन थे। मैंडेलसन यूरोपीय आयोग में आयुक्त रह चुके हैं और बाद में अमेरिका में ब्रिटेन के राजदूत नियुक्त हुए। प्रधानमंत्री कीर स्टामर ने उन्हें दिसंबर 2024 में इस पद पर नियुक्त किया था, हालांकि उन पर एपस्टीन से संपर्क बनाए रखने के आरोप पहले से लग रहे थे। सितंबर 2025 में स्टारमर ने उन्हें पद से हटा दिया था। हाल ही में प्रधानमंत्री ने एपस्टीन के पीड़ितों से सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी और कहा कि उन्होंने मैंडेलसन पर भरोसा कर उन्हें नियुक्त करने में गलती की।

पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या करीब 15 साल पहले मैंडेलसन ने संवेदनशील सरकारी सूचनाएं एपस्टीन को दी थीं। जांच जारी है। यह गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब एपस्टीन से जुड़े एक अन्य मामले में एंड्रयू माउंटबैटन-विंडसर को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था।

कैरेबियाई सागर में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई: संदिग्ध ड्रग नाव पर हमला, तीन की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। कैरेबियाई सागर में अमेरिकी सेना ने सोमवार को एक कथित ड्रग तस्करी वाली नाव पर हमला किया। इस कार्रवाई में तीन लोगों की मौत हुई। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कहा कि यह हमला मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। ट्रंप प्रशासन ने सितंबर की शुरुआत से छोटे जहाजों को निशाना बनाना शुरू किया था। तब से अब तक ऐसी कार्रवाइयों में कम से कम 151 लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिकी सेना का कहना है कि खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई थी कि नाव कैरेबियाई क्षेत्र में तस्करी के रास्ते पर चल रही थी। सेना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जारी किया, जिसमें एक छोटे इंजन वाली नाव को नष्ट होते दिखाया गया। हालांकि यह सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं किया गया कि नाव में वास्तव में ड्रग्स थे या नहीं। मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका लैटिन अमेरिकी कार्टेल के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है। उनके अनुसार यह कार्रवाई अमेरिका में ड्रग्स की आपूर्ति रोकने के लिए जरूरी है। ट्रंप प्रशासन ऐसे समूहों को 'नार्को-आतंकी' कहता है और सैन्य कार्रवाई को उचित ठहराता है। इन हमलों की कानूनी स्थिति पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में इस तरह की सैन्य कार्रवाई की वैधता स्पष्ट नहीं है।

पहले भी खुलासा हुआ था कि शुरुआती हमले के बाद बचे लोगों को दोबारा निशाना बनाया गया। इस पर डेमोक्रेटिक नेताओं और कानूनी विशेषज्ञों ने कड़ी आपत्ति जताई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका में फैली फेंटेनिल संकट की जड़ें मुख्य रूप से मैक्सिको से आने वाली तस्करी में हैं। यह ड्रग रसायनों के जरिए तैयार होती है, जिनमें कुछ सामग्री चीन और भारत से आती है। आलोचकों का तर्क है कि समुद्र में छोटी नावों पर हमले समस्या का स्थायी समाधान नहीं हैं। सितंबर से अब तक 40 से अधिक हमलों में 151 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। प्रशासन इसे सुरक्षा की जरूरत बता रहा है, जबकि विरोधी दल इसे मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय कानून का मुद्दा बना रहे हैं।

अमेरिका में बर्फीले तूफान का कहर, 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द; कई राज्यों में आपातकाल घोषित

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के उत्तरपूर्वी हिस्से में एक शक्तिशाली बर्फीले तूफान ने कहर बरपाया है। मैरीलैंड से लेकर मेन तक के इलाके भारी बर्फ की चादर में ढक गए हैं। इस भीषण मौसम के कारण शनिवार से मंगलवार के बीच 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। अकेले सोमवार को 5,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और मंगलवार के लिए 1,300 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द कर दी गई हैं, जिससे हजारों यात्री फंस गए हैं। न्यूयॉर्क के जेएफके, लागुआर्डिया और बोस्टन के लोगान एयरपोर्ट सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

मौसम वैज्ञानिकों ने इसे एक दशक का सबसे शक्तिशाली तूफान बताया है, जिसे 'बम चक्रवात' कहा जा रहा है। 'बम चक्रवात तब होता है जब 24 घंटे की अवधि में तूफान का दबाव एक निश्चित मात्रा में गिर जाता है। यह मुख्य रूप से शरद ऋतु और सर्दियों में होता है जब आर्कटिक की बर्फीली हवा दक्षिण तक पहुंचकर गर्म तापमान से टकराती है।' कई इलाकों में दो फीट (60 सेंटीमीटर) से ज्यादा बर्फबारी हुई है। रोड आइलैंड के वारविक में तो तीन फीट से ज्यादा बर्फ गिरी है। तेज हवाओं और भारी बर्फबारी के कारण न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और मैसाचुसेट्स समेत कई राज्यों में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। तूफान का असर इतना ज्यादा है कि संयुक्त राष्ट्र को अपनी सुरक्षा परिषद की बैठक स्थगित करनी पड़ी और मुख्यालय बंद करना पड़ा। न्यूयॉर्क शहर में छह साल में पहली बार बर्फबारी के कारण स्कूल बंद किए गए। हालांकि, मेयर जोहरान ममदानी ने मंगलवार से स्कूल खोलने की बात कही है, जिसका कुछ अधिकारियों ने विरोध किया है। परिवहन व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। रेल और बस सेवाएं निलंबित हैं। सड़कों पर फिसलन और कम दृश्यता के कारण यात्रा करना बेहद खतरनाक हो गया है। प्रशासन ने लोगों से घरों में ही रहने की अपील की है। डोरडैश जैसी डिलीवरी सेवाओं ने भी अपना काम रोक दिया है।

तूफान के कारण बिजली व्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ा है। पावरआउटेज डॉट यूएस के मुताबिक, पूर्वी तट पर 5,70,000 से ज्यादा घरों और व्यवसायों की बिजली गुल हो गई है। मैसाचुसेट्स और न्यू जर्सी में स्थिति सबसे खराब है। तेज हवाओं के कारण बिजली बहाल करने में कर्मचारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, कुछ लोग इस मौसम का आनंद भी ले रहे हैं। टाइम्स स्क्वायर पर पर्यटक नाचते हुए दिखे, तो कुछ लोग स्लेजिंग का मजा लेते नजर आए। लेकिन मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि खतरा अभी टला नहीं है।

'रूस अपने भविष्य, सच्चाई और न्याय के लिए लड़ रहा', यूक्रेन युद्ध की पांचवीं बरसी से पहले बोले पुतिन

मॉस्को, एजेंसी। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को कहा कि रूस अपने भविष्य, स्वतंत्रता और सच्चाई एवं न्याय के लिए लड़ रहा है, क्योंकि यूक्रेन में युद्ध मंगलवार को पांचवें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। रूस ने 24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन के खिलाफ एक सैन्य अभियान शुरू किया था। इस साल उसे कुछ बड़े झटके लगे हैं, जिनमें पिछले सप्ताह वोटकिंस्क में उसके मिसाइल कारखाने पर हुआ भीषण हमला भी शामिल है। राष्ट्रपति पुतिन ने रूसी संघ के हीरो के गोल्ड स्टार पुरस्कार से सम्मानित किए जाने से पहले सशस्त्र बलों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, 'रूस अपने भविष्य, स्वतंत्रता, सत्य और न्याय के लिए लड़ रहा है।' उन्होंने कहा कि इस संघर्ष में सबसे आगे मजबूत, साहसी और निस्वार्थ लोग हैं: सशस्त्र बलों के सैनिक और अधिकारी, नेशनल गार्ड के सदस्य, आंतरिक मामलों के मंत्रालय के कर्मी, विशेष सेवाएं और इकाइयां।'

पितृभूमि रक्षक दिवस के कार्यक्रम में शामिल हुए पुतिन : आधुनिक रूस में 23 फरवरी को परंपरागत रूप से सोवियत सेना और नौसेना दिवस की निरंतरता के रूप में पितृभूमि रक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इससे पहले पितृभूमि रक्षक दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा था कि 23 फरवरी को देश में कई दशकों से सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय छुट्टियों में से एक के रूप में मनाया जाता रहा है। पुतिन ने कहा, 'रूसी सैनिकों की वर्तमान पीढ़ी अपने पूर्वजों द्वारा विरासत में मिली वीरता और सम्मान की परंपराओं को आगे बढ़ा रही है। आज एक विशेष सैन्य अभियान के दौरान हमारे विशाल देश के सभी लोगों के प्रतिनिधि कंधे से कंधा मिलाकर वीरतापूर्वक रूस के हितों की रक्षा कर रहे हैं।'

परमाणु शक्ति बढ़ाने को लेकर पुतिन ने कह दी बड़ी बात : उन्होंने सशस्त्र बलों के सदस्यों को आश्वासन दिया कि क्रेमलिन बदलती अंतरराष्ट्रीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए विशेष सैन्य अभियान के दौरान प्राप्त युद्ध अनुभव का लाभ उठाते हुए और रूसी उद्योग, विज्ञान और औद्योगिक एवं उच्च-तकनीकी कंपनियों की शक्तिशाली ताकतों पर भरोसा करते हुए, सेना और नौसेना को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास जारी रखेगा। उन्होंने घोषणा की, 'परमाणु शक्ति का विकास, जो रूस की सुरक्षा की गारंटी के रूप में कार्य करता है और विश्व में रणनीतिक प्रतिरोध और शक्ति संतुलन को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करता है, एक निर्विवाद प्राथमिकता बनी हुई है और सशस्त्र बलों के लिए उन्नत प्रणालियों के विकास में तेजी लाने का संकल्प लिया।' सरकारी टीवी चैनल रॉसिया-24 ने बताया कि सोवियत रेड आर्मी और नौसेना दिवस के विपरीत, पितृभूमि रक्षक दिवस इतिहास के सभी रक्षकों का सम्मान करता है, जिसमें नेपोलियन युद्ध और नाजी जर्मनी की आक्रामकता भी शामिल है।

ट्रंप की बढ़ेगी परेशानी, टैरिफ से वसूली गई रकम वापस करने की मांग को लेकर डेमोक्रेट्स ने खोला मोर्चा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप सरकार के टैरिफ को अवैध बताने के बाद अब सवाल उठ रहा है कि ट्रंप प्रशासन ने अभी तक जो 175 अरब डॉलर टैरिफ से वसूले हैं, उन्हें क्या वापस किया जाएगा? अब विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने इस टैरिफ को वापस करने की मांग को लेकर ट्रंप सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सीनेट के तीन डेमोक्रेट सांसदों ने सरकार से लगभग 175 अरब अमेरिकी डॉलर की टैरिफ आय वापस करने की मांग की है।

प्रस्ताव में क्या है : ओरेगन के सीनेटर रॉन वाइडन, मैसाचुसेट्स के एड मार्की और न्यू हैम्पशायर की जीन शहीन ने सोमवार को एक विधेयक पेश किया। इस विधेयक के तहत अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन को 180 दिनों के भीतर रिफंड जारी करना होगा और लौटाई जाने वाली राशि पर ब्याज भी देना होगा। प्रस्ताव में छोटे व्यवसायों को प्राथमिकता देने की मांग की गई है और आयातकों, थोक विक्रेताओं तथा बड़ी कंपनियों से अपील की गई है कि वे यह राशि अपने ग्राहकों तक पहुंचाएं।

वाइडन ने कहा, 'ट्रंप के अवैध टैरिफ ने अमेरिकी परिवारों, छोटे व्यवसायों और उत्पादकों को गहरी क्षति पहुंचाई है, जो नए-नए टैरिफ की मार झेलते रहे हैं।' उन्होंने जोर देते हुए कहा कि समस्या के समाधान की सबसे पहली कड़ी यह है कि जितनी जल्दी हो सके छोटे व्यवसायों और निर्माताओं की जेब में पैसा वापस डाला जाए। हालांकि इस विधेयक के पारित होने की संभावना कम है, लेकिन इससे यह संकेत मिलता है कि डेमोक्रेट्स अब ट्रंप प्रशासन पर सार्वजनिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाया था, लेकिन ट्रंप प्रशासन टैरिफ राजस्व लौटाने में खास दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। आगामी नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले डेमोक्रेट्स जनता से कह रहे हैं कि ट्रंप ने अवैध रूप से कर बढ़ाए और अब अमेरिकी लोगों को वह पैसा लौटाने से इनकार कर रहे हैं। शहीन ने कहा कि टैरिफ के कारण बढ़ी कीमतों से हुए नुकसान की भरपाई की शुरुआत राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अवैध रूप से वसूले गए टैरिफ करों की वापसी से होनी चाहिए। वहीं मार्की ने कहा कि छोटे व्यवसायों के पास बहुत कम या कोई संसाधन नहीं होते और रिफंड की प्रक्रिया उनके लिए बेहद जटिल और समय लेने वाली हो सकती है।

ट्रंप प्रशासन ने कहा- उनके हाथ बंधे हुए हैं : ट्रंप प्रशासन का कहना है कि उसके हाथ बंधे हुए हैं, क्योंकि किसी भी रिफंड का फैसला आगे की अदालती कार्यवाही के जरिए ही होना चाहिए। जब व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई से पूछा गया कि क्या ट्रंप मानते हैं कि कांग्रेस को रिफंड प्रक्रिया में भूमिका निभानी चाहिए।

बांग्लादेश: रमजान पर कैरम-टीवी बैन, पुलिस का अजीबोगरीब फरमान; शीर्ष अधिकारियों ने झाड़ा पल्ला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के कुश्तिया सदर उप जिला में एक पुलिस अधिकारी ने रमजान के दौरान एक चाय की दुकान के मालिक को कैरम खेलना बंद करने और टेलीविजन देखने का आदेश दिया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों के किसी भी निर्देश के अभाव के बावजूद ये आदेश जारी किया गया।

यह घटना पाटिकबारी बाजार इलाके में कुश्तिया-3 जमात-ए-इस्लामी के सांसद आमिर हमजा के दौरे के दौरान हुई। सांसद के साथ इस्लामिक यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत पाटिकबारी पुलिस कैंप के प्रभारी मोशिउल आजम भी थे।

पुलिस अधिकारी ने दिए आदेश : सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में मोशिउल आजम को चाय की दुकान के मालिक की ओर गुस्से से उंगली उठाते हुए देखा जा सकता है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो 20 फरवरी की रात का बताया जा रहा है। वीडियो में यह कहते हुए दिखाया गया है, 'रमजान के दौरान न कैरम, न टीवी - यह आखिरी फैसला है।' बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र द डेली स्टार ने पुलिस अधिकारी के हवाले से यह बात कही, 'वे वहां कैरम खेल रहे हैं। क्या मैंने इसे बंद नहीं कराया था? यह अभी भी क्यों चल रहा है? क्या मैं तुम्हारी पिटाई करवा दूं? क्या मैंने कुछ दिन पहले बाजार समिति को फोन करके यह नहीं कहा था कि तरावीह के दौरान एक महीने तक न कैरम चलेगा, न टीवी? यह अभी भी क्यों चल रहा है।

साथ में खड़े थे सांसद आमिर हमजा : उस समय, पुलिस अधिकारी के बगल में खड़े सांसद आमिर हमजा ने अपेक्षाकृत शांत स्वर में कहा, 'यह रमजान का महीना है, इबादत का महीना। आप जो भी करें, कम से कम नमाज के समय ये काम न करें।' रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगली रात, 21 फरवरी को चाय की दुकान समेत बाजार की ज्यादातर दुकानें बंद थीं। कुछ प्रतिष्ठान आधे शटर खुले रखकर खुले थे, क्योंकि अंदर काम जारी था।

बाजार में रमजान के स्वामित्व वाली एक और चाय की दुकान खुली रही। टेलीविजन चालू था, लेकिन कैरम का कोई खेल नहीं खेला जा रहा था। टेलीविजन देखने के संबंध में पुलिस की चेतावनी के बारे में पूछे जाने पर रमजान ने अपना सिर झुका लिया और कहा, 'यहां केवल कुछ ही लोग बैठते हैं। वे बस थोड़ी देर के लिए टीवी देखते हैं।'

आदेश पर क्या बोले स्थानीय लोग : उस समय स्टॉल पर पहुंचे पाटिकबारी यूनियन के वार्ड परिषद सदस्य काशेम ने कहा कि अचानक सब कुछ बंद करना उचित नहीं है, क्योंकि युवाओं को कुछ मनोरंजन की आवश्यकता होती है। हालांकि, डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार इस्लामिक यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी मसूद राणा ने कहा कि अधीनस्थों को ऐसे कोई निर्देश नहीं दिए गए थे। कुश्तिया के पुलिस अधीक्षक जसीम उद्दीन ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यह घटना किसी आधिकारिक पुलिस आदेश से जुड़ी नहीं है। उन्होंने कहा, 'रमजान के दौरान चाय की दुकानें खुली रहनी चाहिए या नहीं, यह कानून का मामला नहीं है। यह लोगों की भावनाओं का मामला है कि वे इसका पालन करते हैं या नहीं। हम इसके लिए किसी को दंडित नहीं कर सकते।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में सामूहिक आत्महत्या पति-पत्नी और बेटी की मौत

घर में मातम के बीच आरोपी सोफे पर बैठा रहा जानिए सुसाइड नोट में क्या लिखा है?

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वेसु इलाके स्थित हैप्पी एलीगेंस बिल्डिंग में बालमुकुंद खेतान नामक व्यक्ति ने 24 फरवरी की शाम अपने परिवार के साथ सामूहिक आत्महत्या कर ली। वैभव रुंगटा नामक व्यक्ति की उगाही से परेशान होकर परिवार ने जहर पी लिया। बालमुकुंद खेतान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी और एक मासूम बेटी की आज सुबह अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। दूसरी बेटी को सौभाग्य से बचा लिया गया है। पुलिस जांच में घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें वैभव रुंगटा द्वारा उगाही और मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर यह कदम उठाने का उल्लेख है। जांच में यह भी सामने आया है कि सुसाइड नोट पत्नी प्रियंका ने लिखा था। घर में मातम और अफरा-तफरी के माहौल के बीच भी वैभव बालमुकुंद के ससुर संजय अग्रवाल के साथ सोफे पर आराम से बैठा रहा, मानो कुछ हुआ ही न हो, और पूरी स्थिति पर नजर रखता रहा।

मूल रूप से बिहार के निवासी और पिछले दो वर्षों से घर से शेयर बाजार का काम कर रहे बालमुकुंद खेतान ने अपने परिवार के साथ खेत में इस्तेमाल होने वाली जहरीली दवा पी ली। घटनास्थल से तीन पन्नों का सुसाइड नोट मिला, जिसमें इस कदम के पीछे के गंभीर कारण लिखे हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि हिंदी में लिखे तीन पन्नों के सुसाइड नोट को बालमुकुंद ने नहीं, बल्कि उनकी पत्नी प्रियंका खेतान ने लिखा था। हस्तलेखन से इसकी पुष्टि हुई है। नोट के अंत में दोनों के हस्ताक्षर भी हैं।

सुसाइड नोट में दंपति ने अपने पालतू कुत्ते 'कैंडी' की चिंता जताते हुए अनुरोध किया है कि उनकी मौत के बाद उसे किसी डॉग शेल्टर या दुकान में सुरक्षित रख दिया जाए।

दंपति ने अपने मोबाइल फोन और नए कपड़े बिहार के पटना में रहने वाली अपनी मां को देने की इच्छा जताई है। बालमुकुंद के पिता का पहले ही निधन हो चुका है और उनकी मां पटना में रहती हैं।

पुलिस जांच में पता चला कि पिछले छह महीनों से वैभव रुंगटा का बालमुकुंद के घर आना-जाना बढ़ गया था। सुसाइड नोट के अनुसार, वह बालमुकुंद के क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर महंगी खरीदारी करता था और जब पैसे वापस मांगे जाते तो धमकी देता था। वैभव कपड़े का दलाल बताया गया है।

जहर पीने के बाद प्रियंका ने अपने पिता को फोन कर जानकारी दी। लगभग 25 मिनट में पिता वहां पहुंचे। इस बीच जहर का असर होने से छोटी बेटी को उल्टी हुई, जिससे उसे कुछ होश आया और उसने मुख्य दरवाजा खोल दिया, जिससे पड़ोसियों को घटना की जानकारी मिली।

अस्पताल में भर्ती, पत्नी और बड़ी बेटी की मौत

108 एंबुलेंस से सभी को अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने बालमुकुंद को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर हालत में प्रियंका और दोनों बेटियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में प्रियंका और बड़ी बेटी का निधन हो गया।

सुसाइड नोट के अनुसार, आर्थिक दबाव और मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर बालमुकुंद ने एल्यूमिनियम फॉस्फाइड (पामफोर्स) नामक जहरीला पाउडर पूरे परिवार को दिया होने की आशंका है।

चौंकाने वाली बात यह है कि आत्महत्या की सूचना मिलते ही वैभव रुंगटा घर पहुंच गया और सोफे पर बैठकर सहानुभूति का दिखावा करता रहा। जब परिवार को अस्पताल ले जाया गया, तभी वह मौके से फरार हो गया। पुलिस उसके घर पहुंची तो फ्लैट बंद मिला। अब पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

वेसु पुलिस स्टेशन के पीआई जे.सी. जाधव के अनुसार, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बालमुकुंद खेतान को मृत पाया। पत्नी और बड़ी बेटी की भी अस्पताल में मृत्यु हो गई।

उल्लेखनीय है कि 13 फरवरी 2026 को सूरत के उमरा इलाके में 26 वर्षीय तलाकशुदा महिला पूनम शाह ने पहले अपने बेटे को फांसी लगाई और फिर स्वयं आत्महत्या कर ली थी। परिवार ने इसके लिए पूर्व पति द्वारा की जा रही मानसिक प्रताड़ना को जिम्मेदार ठहराया था।

सूरत के मिरीख और ओपेरा ग्रुप पर IT का सर्च ऑपरेशन

जमीन दलालों के यहां भी जांच, 80 अधिकारी शामिल, डायरी में कोडवर्ड में लिखे लेन-देन मिले

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत आयकर विभाग ने शहर के रियल एस्टेट सेक्टर में बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। बुधवार तड़के मिरीख ग्रुप और ओपेरा ग्रुप पर शुरू की गई जांच का सीधा संबंध मार्च एंडिंग के टैक्स टारगेट और बेहिसाबी नकद लेन-देन से माना जा रहा है। इस कार्रवाई से बिल्डर लॉबी में सन्नाटा छा गया है।

रियल एस्टेट में नकद लेन-देन की सूचना के बाद कार्रवाई

आम तौर पर मार्च महीना आयकर विभाग के लिए वसूली का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। विभाग को पहले से ही डेटा एनालिटिक्स के जरिए जानकारी मिली थी कि कई रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में बुकिंग के दौरान बड़ी मात्रा में नकद राशि ली गई है। मिरीख और ओपेरा ग्रुप पर पड़े छापे से स्पष्ट है कि विभाग इस वर्ष टैक्स चोरी रोकने के लिए कोई ढिलाई नहीं बरतना चाहता। 80 अधिकारियों की टीम द्वारा की गई यह कार्रवाई मार्च एंडिंग से पहले की सबसे बड़ी रेड मानी जा रही है।

नवसारी और धोलेरा के प्रोजेक्ट जांच के घेरे में

ओपेरा ग्रुप द्वारा नवसारी में चल रहे बड़े पैमाने के प्लॉटिंग और कमर्शियल प्रोजेक्ट्स तथा मिरीख ग्रुप के धोलेरा स्थित प्रोजेक्ट्स में हुए निवेश जांच के दायरे में हैं। मार्च एंडिंग के करीब कई निवेशक अपने काले धन को रियल एस्टेट में खपाने की कोशिश करते हैं। आयकर विभाग ने दोनों ग्रुप्स के पिछले तीन वर्षों के सेल्स रजिस्टर और कच्चे खातों को जब्त किया है, जिनकी तुलना अब दाखिल किए गए आयकर रिटर्न से की जाएगी।

जमीन दलालों के 'कैश' लेन-देन पर भी जांच

इस जांच में रियल एस्टेट के मुख्य सूत्रधार माने जाने वाले जमीन दलाल - विशाल राव और आगम बडेचा - के ठिकानों पर भी छापेमारी की गई है। जमीन के सौदों में अक्सर स्टांप ड्यूटी बचाने के लिए जन्त्री मूल्य से अधिक राशि नकद में ली जाती है। मार्च एंडिंग में ऐसे लेन-देन का सेटलमेंट होता है। पुख्ता सूचना के आधार पर विभाग ने यह कार्रवाई की है। दलालों के घर से मिले आपत्तिजनक दस्तावेज बड़े घोटाले की ओर संकेत कर रहे हैं।

डिजिटल डेटा और 'कोडेड' डायरियों का खुलासा

छापे के दौरान तकनीकी टीम ने सर्वर और क्लाउड स्टोरेज से कई डिजिटल साक्ष्य जब्त किए हैं। सूत्रों के अनुसार मार्च एंडिंग के क्लोजिंग स्टॉक और बिक्री के आंकड़ों में गड़बड़ी प्रथम दृष्टया सामने आई है। जब्त की गई कुछ डायरियों में कोडवर्ड में लिखे लेन-देन मिले हैं, जिन्हें समझने के लिए विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। इन आंकड़ों के आधार पर आने वाले दिनों में सूरत के अन्य बड़े नामों से भी पूछताछ हो सकती है।

जांच के अंत में बड़े पैमाने पर कर चोरी उजागर होने की संभावना आयकर विभाग की यह कार्रवाई अभी जारी है और लॉकर खोलने की प्रक्रिया बाकी है। मार्च के अंत तक इस जांच के आधार पर करोड़ों रुपये की अघोषित आय सामने आने की पूरी संभावना है। विभाग का उद्देश्य केवल टैक्स वसूली ही नहीं, बल्कि रियल एस्टेट क्षेत्र में चल रहे बेहिसाबी धन के प्रवाह को रोकना भी है। इस छापेमारी ने सूरत के अन्य उद्योगपतियों को भी सतर्क कर दिया है।

लक्ष्मीपति मिल में सूरत लोकल ज़ैसिस ग्रुप द्वारा ऑफ-साइट मॉक ड्रिल का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सूरत लोकल ज़ैसिस ग्रुप ने टेक्सटाइल इंडस्ट्री में आग लगने के बड़े खतरे के समय तुरंत मदद पहुंचाने के मकसद से एक मॉक ड्रिल की। यह मॉक ड्रिल सूरत के पांडेसरा में स्थित सिद्धि विनायक नोट्स एंड प्रिंट्स प्राइवेट लिमिटेड (लक्ष्मीपति मिल), यूनिट-1, डाई एंड प्रिंटिंग मिल में की गई। बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण सिद्धि विनायक नोट्स एंड प्रिंटेंट्स प्राइवेट लिमिटेड मिल के फैब्रिक वेस्ट गोदाम में भीषण आग लग गई। शुरुआत में फैक्ट्री की फायर टीम ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन इससे पहले कि हालात काबू से बाहर हो पाते, पास की फैक्ट्री कलरटेक्स की फायर ब्रिगेड को मदद के लिए बुलाया गया। लेकिन, जब हालात काबू से बाहर हो गए, तो ऑफ-साइट इमरजेंसी घोषित कर दी गई और लोकल कैसिस ग्रुप को बुलाया गया। तुरंत लोकल कैसिस ग्रुप के चेयरमैन, एसडीएम, सूरत फायर डिपार्टमेंट के प्रोविंशियल ऑफिसर, उधना ममलतदार, फैक्ट्री इंस्पेक्टर, सिविल हॉस्पिटल की टीम और एम्बुलेंस, जीपीसीबी के ऑफिसर, पांडेसरा पुलिस टीम के ऑफिसर मौके पर पहुंचे। सभी की मिली-जुली कोशिशों से आग पर काबू पा लिया गया और घायलों को इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया। सुबह 11:15 बजे शुरू हुई मॉक ड्रिल सिर्फ़ 30 मिनट में सुबह 11:45 बजे पूरी हो गई। इस मौके पर लक्ष्मीपति ग्रुप के डायरेक्टर संजय सरावगी, मिल के स्टाफ, आमंत्रित मेहमान आदि की उपस्थित में सफल मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। लक्ष्मीपति ग्रुप द्वारा सभी को सम्मानित किया गया।

जीण माता मंदिर में फाल्गुन महोत्सव का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,फाल्गुन महीने की अष्टमी के अवसर पर श्री जीण माता सेवा ट्रस्ट द्वारा फाल्गुन महोत्सव का आयोजन मंगलवार को शाम पाँच बजे से श्री जीण माता मंदिर प्रांगण में किया गया। इस मौके पर माँ जीण का आलौकिक श्रृंगार किया गया। आयोजन में श्रीजी लक्ष्मी शर्मा द्वारा माँ जीण का मंगलपाठ का वचन किया गया। इस दौरान मेहंदी उत्सव, चुनरी उत्सव आदि पर भजनों की प्रस्तुति दी गई। मंगलपाठ के पश्चात फूलों को होली का आयोजन कर फाल्गुन उत्सव मनाया गया। इस मौके पर आशा दोदराजका, रचना हेतमसरिया, सुमन गोयल, कुसुम अग्रवाल सहित अनेकों महिलायें उपस्थित रहीं।

सूरत के बिल्डर आत्महत्या केस में नया खुलासा

मि. तुषार घेलाणी, आप अब मजे करो और खुश रहो' बेटी के मैसेज की व्हाट्सएप चैट आई सामने

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

चर्चित बिल्डर तुषार घेलाणी आत्महत्या मामले में उनकी महिला मित्र पूनम भदोरिया के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद पूनम ने सेशंस कोर्ट में जमानत याचिका दायर की है। इस याचिका में उन्होंने तुषार घेलाणी और उनकी बेटी के बीच हुई व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट भी पेश किए हैं।

याचिका में पूनम ने घेलाणी परिवार पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि उनके ऊपर 300 बच्चों की जिम्मेदारी है, इसलिए उन्हें जमानत दी जानी चाहिए। मामले की अगली सुनवाई गुरुवार को होगी।

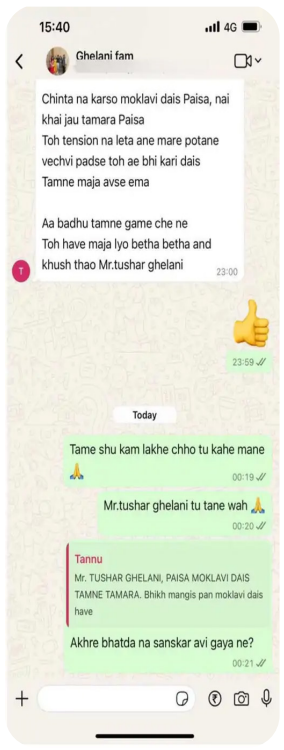

बेटी की शिकायत में क्या कहा गया?

तुषार घेलाणी की बेटी ने पुलिस में दर्ज शिकायत में कहा है कि पिता ने उन्हें बताया था कि पिछले 15 वर्षों से पूनम भदोरिया के साथ उनके अनैतिक संबंध थे और पूनम उन्हें आर्थिक व मानसिक रूप से परेशान कर रही थीं। उन्होंने यह भी कहा था कि पूनम स्कूल में 50% साझेदारी का करार करवा चुकी थीं और समाज में बदनाम करने की धमकी देती थीं।

बेटी के अनुसार, जुलाई 2025 में वह और उनकी छोटी बहन पूनम से मिलने गए थे, जहां पूनम ने कथित रूप से धमकी दी कि यदि संपत्ति में हिस्सा नहीं दिया गया तो वह तुषार का जीवन बर्बाद कर देंगी।

व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट

पूनम ने कोर्ट में कुछ स्क्रीनशॉट पेश किए हैं, जिनमें बेटी ने अपने पिता को 'मिस्टर तुषार घेलाणी' कहकर संबोधित किया है। एक संदेश में लिखा था:

'चिंता मत कीजिए, मुझे खुद को बेचकर भी आपके पैसे चुकाने पड़ें तो चुका दूंगी, आप अब मजे करो और खुश रहो।'

पूनम का कहना है कि यह संदेश तुषार के लिए बेहद आघातजनक था।

पूनम ने आरोप लगाया कि बेटी अपने पिता की हर गतिविधि पर नजर रखती थी—वे किससे फोन पर बात करते हैं, किससे चैट करते हैं और कहां जाते हैं—इससे तुषार घुटन महसूस करते थे।

पूनम ने जमानत के लिए दलील दी है कि वह वेसु क्षेत्र में 'ब्लू पपिलोन' नामक स्कूल चलाती हैं, जहां 250 से 300 बच्चे पढ़ते हैं। यदि उन्हें जमानत नहीं मिलती तो स्कूल का संचालन प्रभावित होगा और बच्चों का भविष्य खतरे में पड़ सकता है।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि जॉली आर्केड की दो दुकानें, जिनकी कीमत लगभग 1.07 करोड़ रुपये थी, पूनम के नाम कर दी गई थीं और इसकी पूरी रकम अब तक नहीं दी गई।

पूनम का आरोप है कि परिवार तुषार को केवल एक 'एटीएम मशीन' की तरह देखता था। उनकी भावनाओं की कद्र नहीं की जाती थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस बात की जानकारी तुषार के पिता और बहन को भी थी।

याचिका में सबसे गंभीर आरोप तुषार की बड़ी बेटी पर लगाए गए हैं।

पूनम के अनुसार, विदेश से पढ़ाई करके लौटने के बाद बेटी पिता से कथित रूप से असम्मानजनक व्यवहार करती थी और अन्य परिवारजनों को भी उनके खिलाफ उकसाती थी, जिससे तुषार मानसिक रूप से टूट गए थे।

इसके अलावा, 'ब्लू पपिलोन' स्कूल में 50% भागीदारी के आधार पर वर्ष 2018 से 2024 के बीच पूनम को 1.37 करोड़ रुपये वेतन व अन्य लाभ के रूप में मिले।

सूरत के प्रमुख बिल्डर और 'घेलाणी ग्रुप' के मालिक तुषार घेलाणी ने 1 फरवरी 2026 को अपने घर पर लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली थी। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां पांच दिन तक वेंटिलेटर पर रहने के बाद डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया।

फिलहाल इस मामले में आत्महत्या के लिए उकसाने, आर्थिक लेन-देन और संपत्ति हस्तांतरण की गहन जांच जारी है। अदालत में दोनों पक्षों के दावों और साक्ष्यों पर आगे सुनवाई होनी है।

ACP ज़ेड.आर. देसाई के अनुसार, केवल पूनम ही नहीं बल्कि उनके परिवार के सदस्यों ने भी स्कूल से आर्थिक लाभ उठाया। पूनम की बहन प्रिया चौहान को वेतन के रूप में 14.95 लाख रुपये मिले। इसके अलावा पूनम की मां उर्मिला और पिता ब्रिजमोहन भदोरिया ने क्रमशः 10.40 लाख-10.40 लाख रुपये प्राप्त किए। इस प्रकार परिवार को कुल 35.75 लाख रुपये मिले।

अग्रवाल महिला मैत्री संघ द्वारा होली उत्सव का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल महिला मैत्री संघ द्वारा होली उत्सव का आयोजन मंगलवार को सिटी-लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन के द्वारिका हॉल में किया गया। संघ की अध्यक्षा ज्योति पंसारी ने बताया की आयोजन में दो सौ महिलाओं ने चंग की धमाल पर नृत्य किया। सभी में एक दूसरे को गुलाल का टीका लगाकर होली की शुभकामनायें दी। आयोजन में महिलायें क्लासिक ड्रेसअप में आई। इस मौके पर अनेकों गेम खिलाए गए। विभिन्न कैटेगरी में महिलाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में संघ की सचिव वीणा बंसल, पदमा तुलस्यान, विमल अग्रवाल, शशि डालमिया, सुमन अग्रवाल, अनुराधा गुप्ता सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।